

10259 , SOLUTION , DSSSB (Nursery teacher's)

Ques 1. ANS (A) Solution:

उत्पाद शुल्क को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में शामिल कर दिया गया है। उत्पाद एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है। यह शुल्क भारत में निर्माण की जाने वाली उन वस्तुओं पर लगाया जाता है, जो घरेलू खपत के लिए होती हैं। केन्द्रीय उत्पाद प्रशुल्क अधिनियम, 1985 से संलग्न पहली अनुसूची और दूसरी अनुसूची में उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।

Excise duty has been subsumed into the Goods and Services Tax (GST). Excise is a type of indirect tax. This duty is imposed on those goods manufactured in India which are meant for domestic consumption. Excisable goods are specified in the First Schedule and Second Schedule appended to the Central Excise Tariff Act, 1985.

Ques 2. ANS (C) Solution:

मूसा पाराडिसिआका केले का सामान्य प्रचलित नाम है। केले के पौधों को मूल रूप से लिनिअस द्वारा प्रजातियों में वर्गीकृत किया गया था, जिसे केले पकाने के रूप में उपयोग किए जाने वाले लोगों के लिए मूसा पाराडिसिआका और मिठाई केले के रूप में उपयोग किए जाने वालों के लिए एम. सेपिएंटम कहा।

Musa paradisiaca is the common name of banana. Banana plants were originally classified into species by Linnaeus, calling them Musa paradisiaca for those used as cooking bananas and M. sapientum for those used as dessert bananas.

Ques 3. ANS (A) Solution:

विटामिन -C मानव शरीर में कोशिकाओं को एक साथ रखने में मदद करता है। इसका रासायनिक नाम एस्कॉर्बिक अम्ल है। इसको खूबसूरती का विटामिन भी कहा जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने चोट व घाव को जल्दी भरने में मदद करता है। इसके सेवन से आँखों की रोशनी बढ़ती है। इसकी कमी से स्कर्वी नामक रोग हो जाता है। इसके मुख्य स्रोत हैं- खट्टे रसदार फल, आँवला, नारंगी, नींबू, अंगूर, टमाटर आदि।

Vitamin C helps keep cells together in the human body. Its chemical name is ascorbic acid. It is also called vitamin of beauty. It strengthens bones and helps in quick healing of injuries and wounds. Its consumption improves eyesight. Its deficiency causes a disease called scurvy. Its main sources are – sour juicy fruits, amla, orange, lemon, grapes, tomato etc.

Ques 4. ANS (A) Solution:

चेनाब नदी, बारालाचा दर्रे के दोनों किनारों से निकलने वाली 'चन्द्र' और 'भागा' नामक नदियाँ केलांग के निकट टांडी में मिलने से बनती है। हिमाचल प्रदेश में इसे चन्द्रभागा के नाम से जाना जाता है। चेनाब नदी सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है। चेनाब नदी में निम्न परियोजनाएँ हैं- बगलिहार परियोजना, सलाल परियोजना, दुलहस्ती परियोजना।

Chenab River is formed by the confluence of 'Chandra' and 'Bhaga' rivers originating from both sides of Baralacha Pass at Tandi near Keylong. In Himachal Pradesh it is known as Chandrabhaga. Chenab River is the largest tributary of Indus River. There are following projects in Chenab River – Baglihar Project, Salal Project, Dulhasti Project.

Ques 5. ANS (A) Solution:

भारतीय संविधान के भाग-IV में वर्णित राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के रूप में 44वें संविधान संशोधन 1978 के अन्तर्गत राज्य द्वारा व्यक्तियों के मध्य आय, प्रतिष्ठा, सुविधाओं और अवसरों में असमानता को कम करने

की अपेक्षा की गई है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को आयरलैण्ड के संविधान से लिया गया है।

Under the 44th Constitutional Amendment 1978, as the Directive Principles of State Policy mentioned in Part IV of the Indian Constitution, the State is expected to reduce inequality in income, status, facilities and opportunities among individuals. The Directive Principles of State Policy are taken from the Constitution of Ireland.

Ques 6. ANS (C) Solution:

एशिया का पहला जय भवानी, महिलाओं की सहकारी कपड़ा मिल महाराष्ट्र के परभणी जिले में स्थापित किया गया है। यह एशिया की पहली मिल होगी, जो सौर ऊर्जा पर काम करेगी। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 100 करोड़ है।

Asia's first Jai Bhavani, women's cooperative textile mill has been established in Parbhani district of Maharashtra. This will be the first mill in Asia, which will work on solar energy. The total cost of this project is approximately 100 crore.

Ques 7. ANS (C) Solution:

नेताजी जन्म स्थान संग्रहालय ओडिशा के कटक में स्थित है। संग्रहालय राज्य सालार जंग संग्रहालय हैदाराबाद भारतीय संग्रहालय कोलकाता राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली

Netaji Birthplace Museum is located in Cuttack, Odisha. Museum State Salar Jung Museum Hyderabad Indian Museum Kolkata National Museum Delhi

Ques 8. ANS (A) Solution:

राष्ट्रीय जूट नीति 2005 में तैयार की गई थी, जिसका उद्देश्य उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता में सुधार, किसानों के लिए जूट की अच्छी कीमत सुनिश्चित करना और प्रति हेक्टेयर में वृद्धि करना था।

The National Jute Policy was formulated in 2005 with the objective of increasing productivity, improving quality, ensuring good prices for jute to farmers and increasing per hectare yield.

Ques 9. ANS (A) Solution:

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) को मुख्य निकाय के रूप में नियंत्रण प्रदान करने के लिए 1925 में सिख गुरुद्वारा अधिनियम पारित किया गया था। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर में दरबार साहिब का संचालन करती है तथा तीन राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश तथा केन्द्रशासित प्रदेश चण्डीगढ़ के गुरुद्वारों और सिक्खों के पूजा का प्रबंधन करती है।

The Sikh Gurdwara Act was passed in 1925 to provide control to the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC) as the main body. The Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee operates the Darbar Sahib in Amritsar and manages the Gurdwaras and worship of Sikhs in the three states of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and the Union Territory of Chandigarh.

Ques 10. ANS (C) Solution:

13 अप्रैल, 1919 ई. को वैशाखी के दिन अमृतसर के जलियाँवाला बाग में हत्याकांड हुआ था। अमृतसर के जलियाँवाला बाग में पंजाब के दो लोकप्रिय नेता डा. सत्यपाल एवं सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में लोग एकत्रित हुए थे। इस निहत्थी भीड़ पर जनरल आर. डायर ने गोली चलाने का आदेश दे दिया। इस हत्याकांड में सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 379 व्यक्ति मारे गए और 200 लोग घायल हुए।

On April 13, 1919, on the day of Vaisakhi, a massacre took place in Jallianwala Bagh, Amritsar. People had gathered in Amritsar's Jallianwala Bagh to protest against the arrest of two popular leaders of Punjab, Dr. Satyapal and Saifuddin Kitchlu. General R. attacked this unarmed crowd. Dyer ordered to open fire. According to the government report, 379 people were killed and 200 people were injured in this massacre.

Ques 11. ANS (A) Solution:

नन्दवंश का अन्तिम शासक घनानन्द था यह सिकन्दर का समकालीन था। चाणक्य की मदद से चन्द्रगुप्त मौर्य ने इसे युद्ध में पराजित किया और मगध पर एक नये राजवंश मौर्य वंश (322 ई पू - 184 ई पू) की स्थापना की। चन्द्रगुप्त मौर्य मगध की राजगद्दी पर 322 ई पूर्व में बैठा। चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई पूर्व में सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था। हर्यक वंश - 544 ई पूर्व - 412 ई पू शिशुनाग वंश - 412 ई पूर्व - 344 ई पू नन्द वंश - 344 ई पू - 322 ई पू मौर्यवंश - 322 ई पू - 184 ई पू

Ques 12. ANS (C) Solution:

लॉर्ड कार्नवालिस 1786 से 1793 ई तक गवर्नर जनरल था इसी के समय में तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790 - 92ई) टीपू सुल्तान और अंग्रेजों के मध्य हुआ। इस युद्ध की समाप्ति 1792 ई में श्री रंगपट्टनम की सन्धि के पश्चात हुआ। भारत में लोक सेवा में वर्तमान ढाँचे की शुरुआत लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा की गई थी। कार्नवालिस ने इन सेवाओं को पेशेवर सेवाओं में परिवर्तित कर ब्रिटिश साम्राज्य की नीतियों को कार्यान्वित करने का उपकरण बनाया। कार्नवालिस को भारत में 'नागरिक सेवा' का जनक माना जाता है।

Ques 13. ANS (A) Solution:

हृदय के एक चक्र में मछली के हृदय से रक्त एक बार गुजरता है। मछली जल में (लवणीय एवं मृदु) पायी जाने वाली अनियत तापी जन्तु है। इनका शरीर धारा रेखित एवं बाह्य कंकाल शल्कों के रूप में होता है। इनका हृदय द्विवेश्मी होता है तथा केवल अशुद्ध रक्त ही पम्प करता है। मछलियों में श्वसन क्लोम द्वारा होता है।

Ques 14. ANS (C) Solution:

'दीन-ए-इलाही' नामक धर्म की शुरुआत मुगल बादशाह अकबर द्वारा 1582 ई में की गई थी। इसे तोहीद-ए-इलाही के नाम से भी जाना जाता था। इसके अन्तर्गत अकबर ने सभी धर्मों के मूल सिद्धान्तों को सम्मिलित कर इसे सर्वमान्य बनाने का प्रयास किया। दीन-ए-इलाही वास्तव में सूफी सर्वेश्वर पर आधारित एक विचार पद्धति थी, इस नवीन संप्रदाय का प्रधान पुरोहित अबुल फजल था। हिन्दुओं में केवल बीरबल ने इसे स्वीकार किया था।

Ques 15. ANS (C) Solution:

विवाहित महाराष्ट्र की महिलायें श्रावण (जुलाई-अगस्त) के महीने में किसी एक शुक्रवार को जीविती पूजा करती है। जिवती पर्वती का एक अवतार है, एक देवी जो बच्चों की रक्षा करने वाली मानी जाती है।

Ques 16. ANS (A) Solution:

भारतीय संविधान का चौहत्तरवाँ (74वाँ संशोधन अधिनियम 1992, नगरपालिका से सम्बन्धित है। इसके द्वारा संविधान में 'भाग 9क' जोड़ा गया तथा अनुच्छेद 243P से 243ZG तक एवं 12वीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है। नगर पालिकाओं को 12वीं अनुसूची में वर्णित कुल 18 विषयों पर विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गयी है। यह अधिनियम 1 जून 1993 से प्रभावी हुआ। आपात उपबन्ध का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद-352 (राष्ट्रीय आपात), अनु. 356 (राष्ट्रपति शासन) तथा अनुच्छेद-360 (वित्तीय आपात) में किया गया है। • भारतीय नागरिकता (भाग-2) में अनुच्छेद - 5-11 तक में वर्णित है तथा मौलिक कर्तव्यों को भाग 4 (क) में अनुच्छेद 51 (क) के तहत रखा गया है।

Ques 17. ANS (A) Solution:

पोटैशियम और सोडियम चमकदार सफेद धातु हैं तथा साधारण ताप पर ये धातु इतने नरम होते हैं कि इन्हें चाकू से काटा जा सकता है। पोटैशियम और सोडियम जैसी कुछ धातुएँ इतनी अभिक्रियाशील होती हैं, कि खुले में रखने पर ऑक्सीजन से अभिक्रिया करके ऑक्साइड बना लेती हैं। ऑक्सीजन के सम्पर्क में आकर यह धातु जलने लगती हैं, इसलिये इन्हें सुरक्षित रखने के लिए मिट्टी का तेल (केरोसीन) में डुबोकर रखा जाता है।

Ques 18. ANS (D) Solution:

पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (PEA) इंडिया ने पुरस्कार विजेता अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु के साथ मिलकर इरिजडापिल्ली श्री कृष्ण मंदिर में एक रोबोटिक हाथी 'इरिजाडापिल्ली रमन' का 'नादयिरुथल' समारोह आयोजित किया।

Ques 19. ANS (A) Solution:

हरियाणा 100% विद्युतीकृत रेलवे नेटवर्क वाला भारत का पहला राज्य बन गया है मार्च 2023 में भारतीय रेलवे ने हरियाणा राज्य के रेलवे नेटवर्क को पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया, जिससे यह देश का पहला राज्य बन गया जिसने अपने रेलवे नेटवर्क को 100% विद्युतीकरण हासिल किया है।

Ques 20. ANS (C) Solution:

Ques 21. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : जिस प्रकार,

उसी प्रकार,



अतः NEFT की कूटभाषा = OFGU

Ques 22. ANS (C) Solution:

Ans. (c) : संख्या सम्बंध निम्नवत् है-

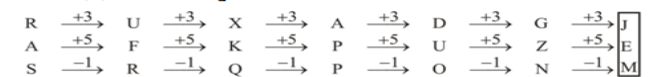
$$17 : 119 :: \boxed{26} : 182 :: 23 : 161$$

$\xrightarrow{\times 7}$ $\xrightarrow{\times 7}$ $\xrightarrow{\times 7}$

अतः रिक्त स्थान पर '26' होगा।

Ques 23. ANS (B) Solution:

Ans. (b) : दी गई श्रृंखला निम्न प्रकार है:-



अतः रिक्त स्थान पर 'JEM' होगा।

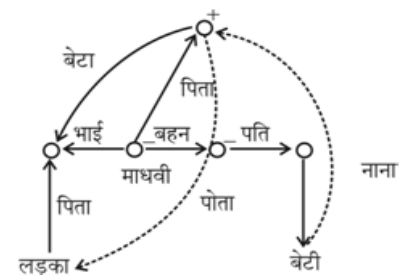
Ques 24. ANS (D) Solution:

दी गई श्रृंखला निम्न प्रकार है- C M P K C M P K C M P K C M P K

अतः रिक्त स्थान पर 'MKCPK' होगा।

The given series is as follows - CMPKCMPCMPKCMPCMPK, hence the blank place will be 'MKCPK'.

Ques 25. ANS (C) Solution:



अतः लड़का माधवी के पिता का पोता होगा।

Ques 26. ANS (B) Solution:

Ans. (b) : जिस प्रकार,

और,

$$10 \xrightarrow{\times 2} 5 \xrightarrow{\times 4} 20$$

$$20 \xrightarrow{\times 2} 10 \xrightarrow{\times 4} 40$$

उसी प्रकार,

$$40 \xrightarrow{\times 2} 20 \xrightarrow{\times 4} \boxed{80}$$

अतः रिक्त स्थान पर '80' होगा।

Ques 27. ANS (B) Solution:

Ans. (b) : वेन आरेख निम्नवत् है-



निष्कर्ष - (I) - (✓)

(II) - (✓)

अतः दिये गये कथन से दोनों निष्कर्ष अनुसरण करता है।

Ques 28. ANS (B) Solution:

दिये गये प्रश्न चित्र के कागज को मोड़ने के क्रम और मुड़े हुए कागज को काटने पर विकल्प आकृति (b) जैसा दिखाई देगा।

The sequence of folding the paper of the given question picture and cutting the folded paper will look like option figure (b).

Ques 29. ANS (D) Solution:

दिये गये शब्द को क्रम से अंग्रेजी शब्दकोश में व्यवस्थित करने पर- (4)

Rare, (1) Real, (2) Rim, (3) Rise, (5) Rose

By arranging the given words sequentially in the English dictionary - (4) Rare, (1) Real, (2) Rim, (3) Rise, (5) Rose

Ques 30. ANS (A) Solution:

दिए गए आरेख में '15' व्यक्ति पुस्तकालय कर्मी, न तो कर-दाता और न, ही चित्रकार है।

In the given chart, person '15' is a library worker, neither a tax payer nor a painter.

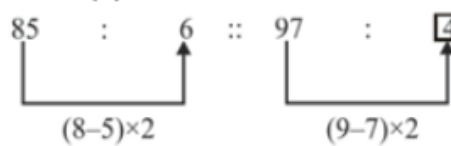
Ques 31. ANS (D) Solution:

दिए गये प्रश्न आकृति के कागज के टुकड़े को मोड़ने पर और मुड़े हुए कागज को काटने के बाद कागज की आकृति को खोलने पर विकल्प आकृति (d) की तरह दिखाई देगी।

On folding a piece of paper in the given question shape and opening the paper shape after cutting the folded paper, it will appear like option figure (d).

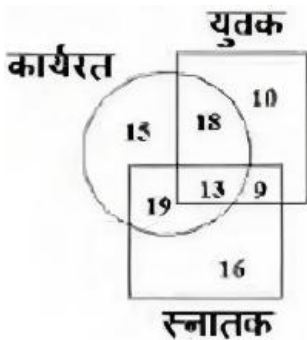
Ques 32. ANS (B) Solution:

Ans. (b) जिस प्रकार, उसी प्रकार



∴ ? = 4

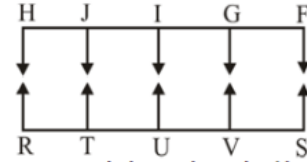
Ques 33. ANS (C) Solution:



दिए गये वेन आरेख से स्पष्ट है कि नियोजित (कार्यरत) युवकों की संख्या '18' है जोकि स्नातक नहीं है।

Ques 34. ANS (D) Solution:

Ans. (d) दिये गये व्यक्तियों को क्रम में बैठाने पर



अतः HR और IU एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे हें।

Ques 35. ANS (C) Solution:

Ans. (c) दिये गये समीकरण से,

$$47 + 12 \div 288 \times 18$$

उपर्युक्त समीकरण का चिन्ह परिवर्तन करने पर-

$$47 \times 12 - 288 \div 18$$

$$47 \times 12 - 16$$

$$564 - 16$$

$$= 548$$

Ques 36. ANS (B) Solution:

Ans. (b) जिस प्रकार,

$$125 = 5^3$$

$$(5)^3 = 125$$

$$125 = 125$$

और,

$$121 = 11^2$$

$$(11)^2 = 121$$

$$121 = 121$$

उसी प्रकार,

$$128 ? 7^3$$

$$(?)^7 = 128$$

$$(?)^7 = (2)^7$$

आधार की तुलना करने पर

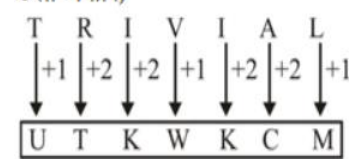
$$\therefore [? = 2]$$

Ques 37. ANS (B) Solution:

Ans. (b) जिस प्रकार,



उसी प्रकार,



Ques 38. ANS (A) Solution:

दिये गये अंग्रेजी शब्दकोश को व्यवस्थित करने पर (4) Tamarind (1)

Target (2) Tarnish (3) Tarot (5) Tenacity

By arranging the given English dictionary (4) Tamarind (1)

Target (2) Tarnish (3) Tarot (5) Tenacity

Ques 39. ANS (B) Solution:

Ans. (b) जिस प्रकार,

$$7 \times 5 - 11 = 24$$

$$35 - 11 = 24$$

$$24 = 24$$

और

$$9 \times 8 - 15 = 57$$

$$72 - 15 = 57$$

$$57 = 57$$

उसी प्रकार

$$12 \times 3 - 3 = 33$$

$$36 - 3 = 33$$

$$33 = 33$$

$$13 \times 7 - ? = 21$$

$$91 - ? = 21$$

$$91 - 21 = ?$$

$$\therefore [? = 70]$$

अतः प्रश्नचिन्ह (?) के स्थान पर 70 होगा।

Ques 40. ANS (B) Solution:

दिये गये संयोजन का सही दर्पण प्रतिबिम्ब उत्तर आकृति विकल्प (b) में निहित है।

The correct mirror image of the given combination lies in answer figure option (b).

Ques 41. ANS (B) Solution:

$$\text{अशिक्षित व्यक्ति} = 200 - 111 = 89$$

$$\% = \frac{89}{200} \times 100 = \boxed{44.5\%}$$

Ques 42. ANS (A) Solution:

$$\text{एक पेन का क्रय मूल्य} = \frac{1}{5}$$

$$\text{एक पेन का विक्रय मूल्य} = \frac{1}{4}$$

$$\text{लाभ} = \frac{1}{4} - \frac{1}{5} = \frac{1}{20}$$

$$\text{लाभ प्रतिशत} = \frac{\frac{1}{20}}{\frac{1}{5}} \times 100$$

$$= \frac{5}{20} \times 100 = 5 \times 5 = 25\%$$

Ques 43. ANS (C) Solution:

$$x = +20\%, y = -5\%$$

$$\text{वास्तविक लाभ \%} = x + y + \frac{xy}{100}$$

$$= 20 - 5 + \frac{20 \times -5}{100}$$

$$= 20 - 5 - 1 = 14\%$$

Ques 44. ANS (B) Solution:

(i) मिट्टी (S) बजरी (B)
11 : 8

(ii) बजरी (B) सीमेंट (C)
6 : 7

$$S : B = 11 : 8 = 66 : 48$$

$$B : C = 6 : 7 = 48 : 56$$

$$S : B : C = 66 : 48 : 56$$

$$\text{मिट्टी : सीमेंट} = 66 : 56$$

$$\text{मिट्टी : सीमेंट} = 33 : 28$$

Ques 45. ANS (A) Solution:

$$(a) \text{ लाभ} = \text{पूँजी} \times \text{समय}$$

$$P \text{ व } Q \text{ के पूँजी का अनुपात} = 1400 : 1800 = 7 : 9$$

माना कुल लाभ x है।

∴ लाभ के आधे हिस्से को उनके पूँजी के अनुसार में बाँटा जाता है

$$\therefore P \text{ व } Q \text{ के लाभ का अनुपात} = \frac{7x}{2} : \frac{9x}{2}$$

प्रश्नानुसार-

$$\frac{9x}{2} - \frac{7x}{2} = 47$$

$$2x = 47 \times 2$$

$$x = 47$$

$$\therefore P \text{ व } Q \text{ का कुल लाभ} = (7x + 9x) = 16x$$

$$= 16 \times 47 = 752$$

Ques 46. ANS (C) Solution:

$$A \text{ का एक दिन का कार्य} = \frac{1}{5}$$

$$B \text{ का एक दिन का कार्य} = \frac{1}{10}$$

माना B का कार्य = x दिन

∴ A द्वारा किया गया कार्य = $(x-4)$ दिन

प्रश्नानुसार,

$$\frac{(x-4)}{5} + \frac{x}{10} = 1$$

$$\frac{2(x-4) + x}{10} = 1$$

$$2x - 8 + x = 10$$

$$3x - 8 = 10$$

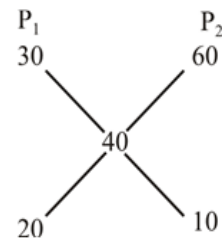
$$3x = 18$$

$$\boxed{x = 6}$$

A द्वारा कार्य करने में लगा समय = $(x-4) = 2$ दिन

Ques 47. ANS (A) Solution:

प्रश्नानुसार-



$$\text{अभीष्ट अनुपात} = 20 : 10 = 2 : 1$$

Ques 48. ANS (B) Solution:

पाइप A द्वारा 1 घण्टे में टैंक का भरा गया भाग

$$= \frac{1}{10} \text{ भाग}$$

पाइप B द्वारा 1 घण्टे में टैंक का भरा गया भाग = $\frac{1}{15}$ भाग

पाइप A तथा B द्वारा 1 घंटे में टैंक का भरा गया भाग = $\frac{1}{10} + \frac{1}{15}$
 $= \frac{5}{30} = \frac{1}{6}$ भाग

अतः एक साथ भरने में लगा समय = 6 घण्टे

Ques 49. ANS (B) Solution:

$$\text{मूलधन} = ₹1600$$

समय = 10 वर्ष

दर = 7.25%

$$\text{साधारण ब्याज} = \frac{\text{मूलधन} \times \text{दर} \times \text{समय}}{100} = \frac{1600 \times 7.25 \times 10}{100}$$

$$= 16 \times 10 \times 7.25 = ₹1160$$

Ques 50. ANS (D) Solution:

माना धनराशि = P

समय = 2 वर्ष

दर = 20% वार्षिक

$$324 = P \left(1 + \frac{20}{100}\right)^2$$

$$324 = P \times \frac{6}{5} \times \frac{6}{5}$$

$$P = \frac{324 \times 25}{36}$$

$$P = ₹225$$

Ques 51. ANS (B) Solution:

माना दीपिका तथा उसकी माँ की आयु क्रमशः 3x तथा

11x वर्ष हैं।

प्रश्नानुसार,

$$\frac{3x+3}{11x+3} = \frac{1}{3}$$

$$\Rightarrow 9x+9 = 11x+3$$

$$\Rightarrow 2x=6$$

$$\Rightarrow x=3$$

अतः दीपिका की आयु = 3×3
 $= 9$ वर्ष

Ques 52. ANS (A) Solution:

$$\text{संख्या } (a + b + c + d) \text{ का कुल योग} = 39 \times 4$$

$$= 156$$

संख्या (a + b) का कुल योग = $29.5 \times 2 = 59.0$

$$(c + d) \text{ का कुल योग} = [(a + b + c + d) - (a + b)]$$

$$= [156 - 59] = 97$$

$$\therefore \text{संख्या } (c + d) \text{ का औसत} = \frac{97}{2} = 48.5$$

Ques 53. ANS (A) Solution:

$$\frac{v_1}{v_2} = \sqrt{\frac{t_2}{t_1}}$$

$$\frac{60}{v_2} = \sqrt{\frac{3}{12}} \quad \{\because v_1 = 60 \text{ km/h, } t_1 = 12, t_2 = 3\}$$

$$\frac{60}{v_2} = \sqrt{\frac{1}{4}}$$

$$v_2 = 120 \text{ km/h}$$

Ques 54. ANS (D) Solution:

$$\text{दूरी} = \text{चाल} \times \text{समय}$$

$$= 240 \times 5 = 1200 \text{ किमी.}$$

$$\text{चाल} = \frac{\text{दूरी}}{\text{समय}} = \frac{1200}{2} = 600 \text{ किमी./घण्टा}$$

Ques 55. ANS (B) Solution:

$$\text{धारा की दिशा में अर्जुन की चाल} = \frac{40}{5} = 8 \text{ km/hr}$$

धारा के विपरीत दिशा में अर्जुन की चाल

$$= \frac{24}{2} = 12 \text{ km/hr}$$

\therefore स्थिर जल में अर्जुन की चाल

$$= \frac{12 + 8}{2} = 10 \text{ km/hr}$$

Ques 56. ANS (C) Solution:

त्रिभुज की सबसे बड़ी भुजा = 13 cm.

अन्य भुजाएं = 5 cm तथा 12 cm हैं।

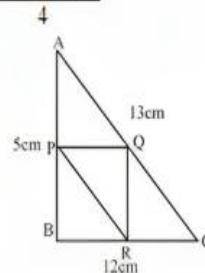
$$\therefore (13)^2 = (12)^2 + (5)^2$$

$$169 = 169$$

अतः यह एक समकोण त्रिभुज होगा।

तीनों भुजाओं के मध्य बिन्दुओं को मिलाने से बने त्रिभुज PQR का

$$\text{क्षे.} = \frac{\Delta ABC \text{ का क्षे.}}{4}$$



$$\Delta PQR \text{ का क्षे.} = \frac{\frac{1}{2} \times 5 \times 12}{4}$$

$$= \frac{30}{4} = 7.5 \text{ cm}^2$$

Ques 57. ANS (A) Solution:

$$\text{प्रथम पद } (a) = 3, \text{ सार्वानुपात } (r) = \frac{6}{3} = 2$$

$$n = 5$$

$$\text{सूत्र- } t_n = ar^{n-1}$$

$$t_5 = 3 (2)^{5-1} = 3 \times 2^4$$

$$t_5 = 3 \times 16$$

अतः श्रेणी में 5वाँ पद 48 है।

Ques 58. ANS (B) Solution:

विद्यार्थियों की संख्या जो सिर्फ एक परीक्षा में बैठे हैं = $50 - (10 + 5 + 12 + 10) = 13$

Number of students who appeared in only one examination
= 50 - (10 + 5 + 12 + 10) = 13

Ques 59. ANS (B) Solution:

$$\cot^4 \theta + \cot^2 \theta = 3.6$$

$$\cot^2 \theta (1 + \cot^2 \theta) = 3.6$$

$$\begin{cases} \operatorname{cosec}^2 \theta - \cot^2 \theta = 1 \\ \operatorname{cosec}^2 \theta = 1 + \cot^2 \theta \\ \operatorname{cosec}^2 \theta - 1 = \cot^2 \theta \end{cases}$$

$$\cot^2 \theta \cdot \operatorname{cosec}^2 \theta = 3.6 \quad \dots(i)$$

$$(\operatorname{cosec}^2 \theta - 1) \cdot \operatorname{cosec}^2 \theta = 3.6$$

$$\operatorname{cosec}^4 \theta - \operatorname{cosec}^2 \theta = 3.6$$

Ques 60. ANS (B) Solution:

$$= \frac{1}{2} [x_1(y_2 - y_3) + x_2(y_3 - y_1) + x_3(y_1 - y_2)]$$

$$= \frac{1}{2} [1(-3 - 1) + (-4)(1 - 2) + 4(2 - (-3))]$$

$$= \frac{1}{2} [-4 + 4 + 20]$$

$$= \frac{20}{2}$$

$$= 10 \text{ वर्ग इकाई}$$

Ques 61. ANS (B) Solution:

दिये गये गद्यांश के रिक्त स्थान (1) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'पराया धन' होगा। अतः पूर्ण वाक्य है - भारत में वैदिक काल से लेकर आज तक कन्या को पराया धन माना जाता है।

Ques 62. ANS (D) Solution:

गद्यांश के रिक्त स्थान (2) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द वर होगा। अतः पूर्ण वाक्य है - जब वह युवा होती है तो किसी योग्य वर के हाथों में उसका।

Ques 63. ANS (A) Solution:

दिये गये विकल्प में सही वर्तनी वाला शब्द 'पौराणिक' है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

Ques 64. ANS (C) Solution:

वाक्यांश एक शब्द सब कुछ करने की क्षमता रखने वाला - सर्वशक्तिमान जो सब में व्याप्त हैं - सर्वव्याप्त / सर्वव्यापी जो सबके मन की बात जानता हो - अंतर्दामी विषय का विशेष ज्ञान रखने वाला - विशेषज्ञ

Ques 65. ANS (D) Solution:

'दृग' आँख का पर्यायवाची शब्द है। अन्य पर्यायवाची शब्द - दृग, लोचन, नेत्र, दृष्टि, नयन, विलोचन। अमृत - अमिय, सुधा, मधु, सोम, पीयूष, जीवनोदक। आकाश - अम्बर, व्योम, गगन, नभ, अनन्त, शून्य आदि।

Ques 66. ANS (D) Solution:

दिये गये वाक्य 'एक पश्चाचिनी' भाग त्रुटि है। अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा - इस जंगल के पीछे एक पश्चाचिनी रहा करती है।

Ques 67. ANS (A) Solution:

रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त शब्द 'कारण' होगा। अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा - उसकी खुशी का 'कारण' मैं आज तक नहीं जान पाया।

Ques 68. ANS (D) Solution:

दिये गये वाक्य में रेखांकित खंड को प्रतिस्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प 'दस आदमियों के' होगा।

Ques 69. ANS (A) Solution:

दिये गये रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त शब्द 'घनिष्ठ' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा - साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध है।

Ques 70. ANS (C) Solution:

दिये गये रिक्त स्थान की पूर्ति करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प 'वर्ग' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा - सीमा दसवीं कक्षा के 'क' वर्ग में पढ़ती है।

Ques 71. ANS (D) Solution: वाक्यखण्ड - एक शब्द किसी के पीछे-पीछे चलने वाला - अनुगामी विपरीत दिशा में चलने वाला - प्रतिरागी जो भविष्य में आने वाला हो - आगामी

Ques 72. ANS (B) Solution: शब्द - विलोम छली - निश्चल निष्फल - फल कपटी - निष्कपट धूर्त - भद्र

Ques 73. ANS (C) Solution: दिये गये वाक्य 'राम खूब कसरत करता है- वह पहलवान बन जाए' में रिक्त स्थान पर 'ताकि' शब्द उपयुक्त होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा- राम खूब कसरत करता है ताकि वह पहलवान बन जाए।

Ques 74. ANS (C) Solution: शब्द - समानार्थी शब्द हिमालय - नगराज, हिमगिरि, पर्वतराज, हिमाद्रि। जगत - संसार, भव, लोक, जगती, भुवन। स्थिर - धीर, अचल, दृढ़, गतिहीन, शाश्वत। सुरभि - सुगंध, खुशबू, सुवासित, महक, मनोरम, सुन्दर, सम्मोहित।

Ques 75. ANS (C) Solution: दिये गये विकल्पों में से 'पदार्थ' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, अन्य सभी विकल्प अशुद्ध हैं।

Ques 76. ANS (B) Solution: दिये गये वाक्य में 'मुझे - है कि आपकी दावत में सम्मिलित नहीं हो सकूँगा' रिक्त स्थान पर 'खेद' शब्द उपयुक्त होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा-मुझे खेद है कि आपकी दावत में सम्मिलित नहीं हो सकूँगा।

Ques 77. ANS (C) Solution: दिये गये विकल्पों में से 'रंग लाना' मुहावरे का अर्थ है- प्रभाव उत्पन्न करना। ऐसा वाक्यांश, जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ को प्रतीत कराये, मुहावरा कहलाता है।

Ques 78. ANS (A) Solution: दिये गये वाक्य 'तुम्हारे से कोई काम नहीं हो सकता' के भाग (1) में त्रुटि है। इस भाग में 'तुम्हारे से' के स्थान पर 'तुमसे' का प्रयोग उपयुक्त है। अतः शुद्ध वाक्य होगा- तुमसे कोई काम नहीं हो सकता।

Ques 79. ANS (D) Solution: शब्द - विलोम उदार - कृपण विनीत - उद्धत आसक्त - अनासक्त कृपण - उदार

Ques 80. ANS (A) Solution: दिये गये वाक्य 'तुम इस मूल्य से यह खरीद सकते हो' के रेखांकित खण्ड में त्रुटि है 'यहाँ इस मूल्य से' के स्थान पर 'इस मूल्य पर' का प्रयोग उपयुक्त होगा। अतः शुद्ध वाक्य होगा- तुम इस मूल्य पर यह खरीद सकते हो।

Ques 81. ANS (A) Solution: उपरोक्त Passage के भाव के अनुसार रिक्त स्थान (1) में By (के द्वारा) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते हैं। Correct - The first telescope was made in the seventeenth century By Galileo.

Ques 82. ANS (D) Solution: उपरोक्त Passage रिक्त स्थान (2) में highest का प्रयोग होगा क्योंकि The के बाद superlative Degree का प्रयोग होता है। Correct sentence - It was filled on top of the highest hill of venice

Ques 83. ANS (A) Solution: उपरोक्त वाक्य में Divya have के स्थान पर Divya hse का प्रयोग उपयुक्त होगा। क्योंकि Divya (singular) है इसलिए singular verb (has) प्रयुक्त होगा। Correct sentence - Divya has little chance of winning the gold medal this year.

Ques 84. ANS (A) Solution: उपरोक्त विकल्पों में से विकल्प (a) Procastination की वर्तनी अशुद्ध है। अतः इसकी शुद्ध वर्तनी Procrastination (विलंब) होगी। अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध है।

Alliteration - अनुप्रास Superintendent - अधीक्षक Hallucination - भ्रम

Ques 85. ANS (A) Solution: उपरोक्त Group of words written low passed by low-making body के लिए विकल्प statute (कानून) उपयुक्त होगा। Rule - नियम Summit - शिखर सम्मेलन Ordeal - कड़ी परीक्षा

Ques 86. ANS (B) Solution: उपरोक्त वाक्य में believe in you के स्थान पर believe in yourself का प्रयोग उपयुक्त क्योंकि वाक्य में Reflexive pronoun का भाव दे रहा है। Correct sentence – If you want to win the race you need to believe in yourself.

Ques 87. ANS (C) Solution: उपरोक्त group of words 'A person who tends to be hopeful and confident about the future or the success of something के लिए one word विकल्प (c) optimist (आशावादी) होगा अन्य विकल्पों के अर्थ - Fanatic - कट्टर Pessimist - निराशावादी Opportunist - अवसरवादी

Ques 88. ANS (A) Solution: उपरोक्त वाक्य के भाव के अनुसार रिक्त स्थान में एक्सीलेंड (निर्वासित) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते हैं Excluded - बहार रखा गया Evacuated - खाली Escaped – भाग जाना

Ques 89. ANS (A) Solution: उपरोक्त group of words 'study of insects' के लिए one word विकल्प Entomology (कीट विज्ञान) उपयुक्त होगा अन्य विकल्पों के अर्थ Ornithology - पक्षी विज्ञान Geology - भूगर्भ शास्त्र Terminology - शब्दावली

Ques 90. ANS (C) Solution: प्रश्न में दिये गये Sentence से स्पष्ट है कि sentence 'Indirect narration' में है indirect में asked के साथ conjunction 'If or whether' का प्रयोग होता है। Correct sentence - He asked me whether I knew you.

Ques 91. ANS (D) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग General speaking के स्थान पर Generally speaking का प्रयोग होगा क्योंकि Speaking (verb) को Generally को verb qualify कर रहा है। Correct sentence - Generally speaking, the great discoverers were people with great courage.

Ques 92. ANS (C) Solution: Investigate - (छानबीन करना) Synonym - Examine अन्य विकल्प के अर्थ Supervise - निगरानी Relate - संबंधित Calculate - गणना

Ques 93. ANS (D) Solution: उपरोक्त वाक्य all the works के स्थान पर all the work का प्रयोग होगा क्योंकि work एक uncountable Noun है। अतः इसका plural नहीं बनता है। Correct sentence - The manager told the staff to complete all the work before going home.

Ques 94. ANS (C) Solution: Obvious - स्पष्ट Synonym - Clear अन्य विकल्पों के अर्थ Dull - सुस्त Thick - मोटा Vague - अस्पष्ट

Ques 95. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग is it के स्थान पर can he का प्रयोग होगा क्योंकि can't का question Tag 'can' होगा Note - Positive sentence का question Tag Negative तथा Negative sentence का question Tag positive होता है। Correct sentence - Your brother can't drive, can he?

Ques 96. ANS (D) Solution: No improvement required.

Ques 97. ANS (B) Solution: उपरोक्त विकल्पों में से विकल्प (b) mechanical की वर्तनी अशुद्ध है अतः शुद्ध वर्तनी mechanical (यांत्रिक) अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध है। Medallion - प्राचीन पदक Mediate - मध्यस्थ Meddle - दखल देना

Ques 98. ANS (A) Solution: उपरोक्त idiom 'Hang up one's boots (सत्यास लेना) के लिए विकल्प (c) Retire from a sport उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न देते हैं।

Ques 99. ANS (A) Solution: उपरोक्त idiom 'out of the blue' (पूरी तरह से अप्रत्याशित) के लिए विकल्प (a) completely

unexpectedly उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते हैं।

Ques 100. ANS (D) Solution: Demolish - (ध्वस्त) Antonym - construct - (निर्माण) अन्य विकल्पों के अर्थ- Destroy - नष्ट करना Divide - विभाजन Diminish - घटाना

Ques 101. ANS (D) Solution:

Ques 102. ANS (B) Solution:

Ques 103. ANS (C) Solution:

Ques 104. ANS (A) Solution:

Ques 105. ANS (A) Solution:

Ques 106. ANS (D) Solution:

Ques 107. ANS (D) Solution:

Ques 108. ANS (A) Solution:

Ques 109. ANS (D) Solution:

Ques 110. ANS (C) Solution:

Ques 111. ANS (C) Solution:

Ques 112. ANS (D) Solution:

Ques 113. ANS (D) Solution:

Ques 114. ANS (B) Solution:

Ques 115. ANS (D) Solution:

Ques 116. ANS (C) Solution:

Ques 117. ANS (A) Solution:

Ques 118. ANS (D) Solution:

Ques 119. ANS (C) Solution:

Ques 120. ANS (A) Solution:

Ques 121. ANS (D) Solution:

अधिगम को अनुभव द्वारा उत्पन्न व्यवहार में स्थायी परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

अभ्यास और अनुभव के कारण होने वाले परिवर्तन अपेक्षाकृत स्थायी होते हैं और अधिगम के घटक होते हैं।

अधिगम निरंतर मनोवैज्ञानिक घटनाओं की प्रक्रिया के रूप में अनुमानित है।

यह प्रदर्शन और अस्थायी व्यवहार परिवर्तनों से अलग है।

अधिगम एक सतत प्रक्रिया है। बाल्यावस्था से ही प्रत्येक मानव जीवन की बदलती परिस्थितियों में स्वयं को व्यवस्थित करने के लिए अपने व्यवहार, चिन्तन, दृष्टिकोण, रुचि आदि को लगातार बदलने की प्रयास करता है। अधिगम लक्ष्य-निर्देशित होता है। प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन में कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने की इच्छा रखता है। इन लक्ष्यों को अधिगम के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। यदि लक्ष्य प्राप्त करने का कोई लक्ष्य नहीं है, तो अधिगम की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

Learning can be defined as a permanent change in behaviour produced by experience.

Changes that occur due to practice and experience are relatively permanent and are a component of learning.

Learning is inferred as a process of continuous psychological events.

It is different from performance and temporary behavioural changes.

Learning is a continuous process. From childhood every human being tries to change his/her behaviour, thinking, attitude, interest, etc. continuously to fit himself/herself into the ever-changing conditions of life.

Learning is goal-directed. Every human being aspires to achieve some goals in his/her life. These goals may be achieved through learning. If there is no goal to achieve, then there would be no necessity for learning.

Ques 122. ANS (B) Solution:

पूर्व संक्रियात्मक अवस्था:

यह संज्ञानात्मक विकास की दूसरी अवस्था है जो मूल रूप से एक पूर्व-तार्किक अवस्था है क्योंकि तर्क अभी तक पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है। यह दो से सात वर्ष की आयु तक रहती है।

हमने देखा कि दूसरे वर्ष के अंत में, बच्चा सीधे या शारीरिक रूप से बातचीत किए बिना मानसिक रूप से अनुभवों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम हो जाता है, तथा बच्चा यह समझना शुरू कर देता है कि प्रतीक वास्तविकता के कुछ पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस उम्र में, बच्चा प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करता है, जिसका अर्थ प्रतीकों को समझने की क्षमता है। यद्यपि बच्चा प्रतीकों के बारे में सोचने में सक्षम है, फिर भी उसमें प्रतिवर्तीता का अभाव होता है।

पियाजे के अनुसार, मानसिक छवियों या वस्तुओं और अनुभवों के प्रतीकों को संग्रहीत करने की क्षमता को प्रतिनिधित्व क्षमता के रूप में जाना जाता है जो तब उभरती है जब बच्चा लगभग 22-24 महीने का होता है।

यह एक एकीकृत क्षमता है जो बच्चे को किसी वस्तु या घटना का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाती है जो वास्तव में मौजूद (संकेतित) नहीं है, किसी अन्य वस्तु के माध्यम से जो मौजूद है।

इस अवस्था के दौरान बच्चा एक प्रतीकात्मक खेल में सम्मिलित होता है, जिसमें लकड़ी के बक्से को एक कार, एक गोले को, स्टीयरिंग व्हील और छड़ी को, एक बंदूक के रूप में माना जाता है। एक बच्चा घोड़े की सवारी का प्रतिनिधित्व करने के लिए झाड़ू की सवारी करने का नाटक करता है।

The Pre-Operational Stage:

This is the second stage of cognitive development which is basically a pre-logical stage as logic has not yet fully developed. It extends from two to seven years of age.

We saw that towards the end of the second year, the child becomes capable of representing experiences mentally without interacting with them directly or physically. Also that the child begins to understand that symbols represent certain aspects of reality.

At this age, the child exhibits symbolic representation which means the ability to deal with symbols. Although the child is able to think about symbols still he lacks reversibility.

According to Piaget, the capacity to store mental images or symbols of objects and experiences is known as representational ability that emerges when the child is about 22-24 months old.

It is a unified capacity that enables the child to represent an object or an event that is not present (a signified) by means of another object that is present (a signifier).

The child during this stage engages in what is called a symbolic play that is, the wooden box is considered as a car, a rounding, the steering wheel and the stick, a gun. A child pretends to ride a broomstick to represent riding a horse.

Thus, it is concluded that according to Piaget, representational ability term is used for the capacity to store mental images or symbols of objects and experiences.

Ques 123. ANS (C) Solution:

परियोजना तकनीक:

परियोजना परीक्षण एक व्यक्तित्व परीक्षण है जिसे अस्पष्ट वस्तुओं या स्थितियों के प्रति उनकी अप्रतिबंधित प्रतिक्रिया के आधार पर किसी के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए रचना किया गया है। परियोजना तकनीक उपकरणों का एक समूह है जिसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व का वर्णन और विशेषता है।

व्यक्तित्व का मूल्यांकन करने के तीन तरीके हैं:

मानकीकृत परीक्षण / वस्तुनिष्ठ परीक्षण

गैर-मानकीकृत परीक्षण / विषयपरक परीक्षा

परियोजना विधि

मानकीकृत परीक्षण, गैर-मानकीकृत परीक्षण, और परियोजना परीक्षणों के कुछ उदाहरण:

मानकीकृत परीक्षण	गैर-मानकीकृत परीक्षण	व्यक्तित्व परियोजना परीक्षण
उपलब्धि परीक्षण	उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड	BG परीक्षण
अभिवृत्ति परीक्षण	आत्मकथा	हस्तलेख का विज्ञान
बुद्धि परीक्षण	मामले का अध्ययन	बच्चों की धारणा परीक्षण
रूचि परीक्षण	साक्षात्कार	मोज़ेक परीक्षण
व्यक्तिगत सूची	प्राप्तांक-पत्रक	क्ले मॉडलिंग

Projective technique:

A Projective test is a personality test designed to yield information about someone's personality on the basis of their unrestricted response to ambiguous objects or situations.

Projective techniques are a set of instruments whose main objective is to describe and characterized personality.

There are three methods of assessing personality:

Standardized Test/ Objective test

Non-Standardized Test/ Subjective test

Projective methods

Some examples of Standardized tests, Non-standardized tests and projective tests:

Standardized Test	Non-Standardized Test	Projective Test of Personality
Achievement test	Anecdotal records	BG test
Aptitude test	Autobiography	Graphology
Intelligence test	Case study	Children Apperception test
Interest test	Interview	Mosaic test
Personal inventories	Score Card	Clay modeling

Ques 124. ANS (B) Solution:

मुख्य अवधारणाएँ जो वायगोत्स्की द्वारा दी गई हैं, निम्न हैं:

अधिक जानकार अन्य (MKO): उन्होंने बुद्धि को "निर्देश से सीखने की क्षमता" के रूप में परिभाषित किया। उनके अनुसार, ये वे लोग हैं, जो अधिक जानकार हैं और किसी विशेष क्षेत्र में बेहतर विशेषज्ञता रखते हैं। ये MKO बच्चों के कौशल को सुधारने में मदद कर सकते हैं। MKO को सभी स्थितियों में एक व्यक्ति होने की आवश्यकता नहीं है। कभी-कभी, MKO कंप्यूटर भी हो सकते हैं।

समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD): यह वायगोत्स्की के सिद्धांत की प्रमुख विशेषता है। MKO की अवधारणा ZPD से निकटता से संबंधित है। वायगोत्स्की के अनुसार, ZPD किसी की सहायता के बिना प्राप्त विकास

के वर्तमान स्तर और विकास के संभावित स्तर के बीच का अंतर है जिसे MKO के मार्गदर्शन में प्राप्त किया जा सकता है। हालाँकि, प्रदान किए गए ज्ञान का स्तर बच्चे की व्यापक क्षमता के अनुसार उपयुक्त होना चाहिए। स्कैफ़लिंग / पाइ (आधारभूत सहायता): यह एक अस्थायी संरचना है, जो लकड़ी के तख्तों और धातु के खंभों से बनी होती है, जो एक इमारत के निर्माण, रखरखाव और मरम्मत में काम करने वालों की सहायता करती है। वायगोत्स्की ने इस शब्द का प्रयोग MKO द्वारा छात्रों को नई अवधारणाओं और कौशल सीखने के लिए प्रदान किए गए सामाजिक और निर्देशात्मक समर्थन का वर्णन करने के लिए किया था। एक बार जब छात्र द्वारा कौशल सीख लिया जाता है, तो निर्देशात्मक समर्थन वापस ले लिया जाता है, ठीक उसी तरह जैसे निर्माण पूरा करने के बाद पाइ को वापस ले लिया जाता है।

Core concepts are given by Vygotsky

More Knowledgeable Others (MKO): He defined intelligence as "the capacity to learn from instruction". According to him, these are those people, who are more knowledgeable and have better expertise in a particular domain. These MKO can help in improving the skill of the children. MKO need not be a person in all instances. Sometimes, MKO can be computers also.

Zone of Proximal Development (ZPD): It is the key feature of Vygotsky's theory. The concept of MKO is closely related to ZPD. According to Vygotsky, ZPD is the difference between the present level of development attained without anyone's assistance and the potential level of development that can be attained under the guidance of MKO. However, the level of provided knowledge should be appropriate according to the child's comprehensive ability.

Scaffolding: Scaffolding is a temporary structure, made up of wooden planks and metal poles, to support the workmen in constructing, maintaining, and repairing a building. Vygotsky used this term to describe social and instructional support provided by MKO to students to learn new concepts and skills. Once the skill is learned by the student, the instructional support is withdrawn, just like scaffolding after completing the construction.

Ques 125. ANS (C) Solution:

फ्रॉयड ने प्रस्तावित किया कि हमारे व्यक्तित्व में तीन तत्व हैं, अर्थात्, इडम्, अहम् व पराहम्।

इडम्: व्यक्तित्व का यह भाग अचेतन रूप से कार्य करता है। यह आधारभूत प्रवृत्ति, जैविक आवश्यकताओं और आक्रामक आवेगों से संबंधित है। इडम् का उद्देश्य समाज और व्यक्ति के नैतिक मूल्यों पर विचार किए बिना तत्काल आवश्यकता को पूरा करना है।

अहम्: वास्तविकता की जाँच के लिए जिम्मेदार व्यक्तित्व के हिस्से को अहम् के रूप में जाना जाता है। अहम् वास्तविकता के सिद्धांत पर कार्य करता है, इडम् संतुष्टि में देरी करता है जब तक कि एक उपयुक्त और अधिक यथार्थवादी स्थिति नहीं मिलती है। व्यक्तित्व का यह हिस्सा आईडी से निकलता है और इसका मुख्य उद्देश्य इडम् की आवेगी आवश्यकताओं और इस दुनिया की वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना है।

पराहम्: यह हमारे व्यक्तित्व का नैतिक शिक्षक या नैतिक गुरु है। यह इडम् के आवेगी आग्रह को नियंत्रित करता है और केवल यथार्थवादी व्यवहार के बजाय नैतिक रूप से उपयुक्त व्यवहार चुनने के लिए अहम् का पीछा करता है।

Freud proposed that our personality consists of three elements namely, id, ego, and superego.

Id: This part of personality operates unconsciously. It deals with basic instincts, biological needs, and aggressive impulses. The aim of id is to gratify one's need immediately without considering the moral values of the society and the individual.

Ego: The part of the personality responsible for the reality check is known as the ego. The ego works on the reality principle, delaying id's gratification until an appropriate and more realistic situation is not found. This part of personality emerges from id and its main objective is to strike a balance between id's impulsive needs and the reality of this world. Superego: It is the moral master or moral guru of our personality. It controls the impulsive urges of the id and pursues the ego to choose morally appropriate behavior instead of only realistic behavior.

Ques 126. ANS (A) Solution:

शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक व्यवस्था के भीतर व्यक्ति के विकास का व्यवस्थित अध्ययन है।

इसका तात्पर्य विभिन्न घटनाओं का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों से है।

यह अधिगम के सिद्धांतों और नियमों को स्थापित करता है।

यह शिक्षक को विकासात्मक अध्ययन और अधिगम के सिद्धांतों का उदाहरण देकर छात्र के सामंजस्यपूर्ण समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

यह जीव विज्ञान, समाजशास्त्र आदि से भी अपनी विषय वस्तु प्राप्त करता है।

Educational Psychology is the systematic study of the development of the individual within the educational setting. It implies scientific methods to study different phenomena. It establishes principles and laws of learning.

It helps the teacher foster the student's harmonious overall development by referring to developmental studies and learning theories.

It also obtains its subject matter from biology, sociology, etc.

Ques 127. ANS (A) Solution:

फ्रायड ने यौन विकास के सिद्धांत में सुप्तावस्था की बात की है।

फ्रायड ने अपने मनोवैज्ञानिक विकास सिद्धांत के विलंबता चरण में निष्क्रियता की बात की है।

फ्रायड ने विलंबता चरण को सापेक्ष स्थिरता के रूप में वर्णित किया है। इस अवस्था में कामुकता का कोई नया संगठन विकसित नहीं होता और उन्होंने इस पर अधिक ध्यान नहीं दिया है।

विलंबता चरण की अवधि 7-10 वर्ष है।

Freud spoke of the dormancy period in the theory of sexual development.

Freud spoke of dormancy in the latency stage of his psychosexual development theory.

Freud described the latency stage as one of relative stability. In this stage, no new organization of sexuality develops, and he did not pay much attention to it.

The period of latency stage is 7-10 years.

Ques 128. ANS (B) Solution:

विस्मरण अन्य स्मृतियों या अन्य सीखी हुई सामग्री के हस्तक्षेप के कारण होता है।

यदि आप नियमित अंतराल पर अपनी संग्रहीत जानकारी का उपयोग नहीं करते हैं, तो इसके लुप्त होने का जोखिम हो सकता है क्योंकि पूर्वाभ्यास या अभ्यास पर्याप्त रूप से सुसंपन्न नहीं हुआ था।

विस्मरण उपयुक्त संकेत के अभाव या बेकार संकेत की उपस्थिति के कारण भी हो सकती है।

Forgetting occurs due to interference with other memories or other learnt material.

If you do not use your stored information at a regular interval of time, then you may be at the risk of losing it because rehearsal or practice was not sufficiently elaborate.

Forgetting can also occur due to the absence of an appropriate cue or the presence of poor cue.

Thus, it is concluded that when the memory traces in the individual's brain gets distorted the result is forgetting.

Ques 129. ANS (A) Solution:

खेल का प्रत्याशित सिद्धांत: इस सिद्धांत को अभ्यास सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है, जिसे कार्ल ग्रोस ने अपनी दो रचनाओं 'द प्ले ऑफ एनिमल्स' और 'द प्ले ऑफ मैन' में प्रतिपादित किया था।

द प्ले ऑफ एनिमल्स / जानवरों का खेल: पिल्ले चंचल तरीके से झगड़ते हैं क्योंकि उन्हें लड़ना होता है। बिल्ली के बच्चे चलती वस्तुओं के पीछे भागते हैं, क्योंकि उन्हें चूहों को पकड़ना होता है।

द प्ले ऑफ मैन / मनुष्य का खेल: बच्चे भविष्य के लिए पूर्वाभ्यास के रूप में विभिन्न भूमिकाएँ निभाते हैं। बच्चे अपनी भविष्य की गतिविधियों का अनुमान लगाते हैं और प्रत्याशा में समस्याओं का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करते हैं।

Anticipatory theory of play: This theory is also known as PRACTICE THEORY was propounded by Karl Groos in his two works 'The Play of Animals' and 'The Play of Man'.

Play of animals: Puppies quarrel in a playful way because dogs have to fight. Kittens run after moving objects, as they have to catch mice.

Play of man: Children play different roles as a rehearsal for the future. The child anticipates his future activities and prepares himself to meet the problems in anticipation.

Ques 130. ANS (C) Solution:

किशोरावस्था की विशेषताएँ -

एक संक्रमणकालीन अवस्था

चरम बुद्धि और सहनशक्ति

पहचान को लेकर असमंजस

बिना पूछताछ के कभी स्वीकार नहीं करना

प्रेम स्वतंत्रता

किसी भी तरह से ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करना

भावनात्मक अस्थिरता

आत्म-नियंत्रण का अभाव

निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि

स्वयं की खोज

अपरिभाषित स्थिति

संक्रमणकालीन अवस्था

Characteristics of adolescence -

A transitional stage

Peak intelligence and stamina

Confused about identity

Never accept without interrogation

Love liberty

Try to seek attention by any means

Emotional instability

Lack of self control

Increased decision making

The search for self

Undefined status

Transitional stage

Ques 131. ANS (C) Solution:

पहला बुद्धि परीक्षण जिसे 'द बिने-साइमन स्केल' के नाम से जाना जाता है, बिने और साइमन द्वारा विकसित किया गया था।

आइए संक्षेप में समझते हैं:

1904 में, फ्रांसीसी सरकार ने अल्फ्रेड बिने को उनकी उम्र के लिए विशेष रूप से कम-औसत बुद्धि वाले बच्चों की पहचान करने के लिए एक उपाय विकसित करने के लिए नियुक्त किया, ताकि उन्हें विशेष शिक्षा दी जा सके।

इस उद्देश्य के साथ, 1905 में बिने ने थियोडोर साइमन की मदद से पहला बुद्धि परीक्षण विकसित किया, जिसे लोकप्रिय रूप से पहले बिने-साइमन स्केल के रूप में जाना जाता है।

इस पैमाने में विभिन्न प्रकार के कार्यों को मापने वाली 30 समस्याएं शामिल थीं, जैसे निर्णय, समझ और तर्क। बिने का मानना था कि ये कार्य बुद्धि के आवश्यक घटक हैं।

वस्तुओं को कठिनाई के आरोही क्रम में व्यवस्थित किया गया था। वस्तुओं के कठिनाई स्तर को निर्धारित करने के लिए वस्तुओं को 3 से 11 वर्ष की आयु के 50 सामान्य बच्चों, कुछ मानसिक रूप से मंद बच्चों और कुछ वयस्कों को प्रशासित किया गया था। इस पैमाने में, कुल स्कोर की गणना करने के लिए कोई सटीक विधि उपलब्ध नहीं थी।

The first intelligence test which is known as 'The Binet-Simon Scale' was developed by Binet and Simon.

Let's Understand in Brief:

In 1904, the French Government appointed Alfred Binet to develop a measure to identify children with notably below-average intelligence for their age, so that special education can be given to them.

With this objective, in 1905 Binet with the help of Theodore Simon developed the first intelligence test, which is popularly known as the first Binet-Simon scale.

This scale consisted of 30 problems measuring a variety of functions, such as judgment, comprehension, and reasoning. Binet believed that these functions are the essential components of intelligence.

The items were arranged in ascending order of difficulty. The items were administered to 50 normal children of 3 to 11 years of age, some mentally retarded children, and some adults in order to determine the difficulty level of the items. In this scale, no precise method to calculate the total score was available.

Ques 132. ANS (A) Solution:

अधिगम का हस्तांतरण एक अलग लेकिन संबंधित समस्या को हल करने में सहायता करने के लिए एक कार्य को पूरा करने से प्राप्त ज्ञान का अनुप्रयोग है।

अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण: अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण तब होता है जब एक कार्य को सीखने से दूसरे कार्य को सीखने में आसानी होती है। उदाहरण के लिए- साइकिल चलाने में संतुलन का ज्ञान स्कूटर चलाना सीखने में सहायता करता है।

जब कोई छात्र सरल व्याकरणिक नियमों में महारत हासिल कर लेता है तो वह सही अंग्रेजी बोलने, सक्षम रूप से लिखने और अंग्रेजी में अन्य विषयों का अध्ययन करने में सक्षम होता है।

एक बार जब कोई व्यक्ति अपने दाहिने हाथ से बास्केटबॉल को शूट करना सीख जाता है तो उस ज्ञान को बाएं हाथ में स्थानांतरित करना मुश्किल नहीं होता है।

प्रशिक्षण का नकारात्मक स्थानांतरण: जब अधिगम अन्य ज्ञान के साथ हस्तक्षेप करता है, तो इसे प्रशिक्षण का नकारात्मक हस्तांतरण कहा जाता है।

उदाहरण- बाएं हाथ से चलने वाले वाहन दाएं हाथ से चलना सीखने में बाधा डालते हैं।

अधिगम का शून्य स्थानांतरण:- जब पूर्व में सीखे गए ज्ञान का बाद की स्थिति में सीखने या प्रदर्शन के ज्ञान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

Transfer of learning is the application of knowledge gained from completing one task to help solve a different but related, problem.

Positive transfer of learning: Positive transfer of learning is when learning on one task does facilitate learning another.

For example-

knowledge of balancing in cycling helps in learning about scooter driving.

When a pupil masters simple grammatical rules he is enabled to speak correct English, write competently, and study other subjects in English as well.

Once a person has learned to shoot a basketball with their right hand it is not difficult to transfer that learning to the left hand.

Negative transfer of training: When one learning interferes with others, it is called negative transfer of training.

Example- Left-hand drive vehicles hindering the learning of right-hand drive.

Zero transfer of learning:- When previous learning has no influence on learning or performance in a later situation.

Ques 133. ANS (B) Solution:

मूल प्रसंगात्मक बोध परीक्षण में जानवरों के दस चित्रों को चित्रित किया जैसे कि गेम खेलना या बिस्तर में सोना। आज संस्करण को CAT या CAT-A (जानवरों के लिए) के रूप में जाना जाता है।

CAT कार्ड पर पशु के चित्रों को कल्पना और अन्य मौखिक गतिविधि, सहोदर प्रतिद्वंद्विता, आक्रामकता और बच्चों के अनुभवों की समस्याओं से संबंधित कल्पनाओं को उकसाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

CAT का उद्देश्य व्यक्तित्व लक्षणों को मापना है। पूर्व-यौवन संबंधी बच्चों में दृष्टिकोण और मनोविकृति संबंधी प्रक्रियाएं स्पष्ट होती हैं।

चित्रों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करने और एक बच्चे को स्थितियों का वर्णन करने और चित्रों में लोगों या जानवरों के बारे में कहानियां बनाने के लिए कहने से, एक परीक्षक बच्चे के बारे में यह जानकारी प्राप्त कर सकता है।

The original CAT featured ten pictures of animals in such human social contexts as playing games or sleeping in a bed. Today the version is known as CAT or the CAT-A (for animals).

The CAT cards with animal pictures are designed to evoke fantasies relating to problems of feeling and other oral activity, sibling rivalry, aggression, and experiences of children.

The CAT is intended to measure personality traits, attitudes, and psychodynamic processes evident in pre-pubertal children.

By presenting a series of pictures and asking a child to describe the situations and make up stories about the people or animals in the pictures, an examiner can elicit this information about the child.

Ques 134. ANS (C) Solution:

Thorndike presented the theory on laws of learning on basis of his belief connectionism. These laws are originally the outgrowth of experiments in the field of animal psychology. He presented his theory in his book Animal intelligence in 1911.

The three major laws are:

Law of readiness - It implies that if you are not ready to learn something, you can not learn it effectively and if you are ready to learn something, you can learn effectively.

Readiness comes from interest,, need, maturity etc.

Law of exercise - The second important law has two aspects. It is based on the law of use and disuse. This law promotes revision and recall. Repeated exercising of a response strengths its connection to the stimulus and disuse weakens it. Later he recognized that mere blind repetition is not sufficient for effective learning, rather knowledge of results is an essential condition for it.

Law of effect- The meaning of the law of effect is the effect of learning. The trails or steps leading to satisfaction stamps in the connection. Satisfying states lead to consolidation and strengthening of connection whereas dissatisfaction leads to the weakening or stamping out of the connection. We want to learn the things which make us feel happy or satisfied.

Ques 135. ANS (D) Solution:

विकास के सिद्धांत:-

निरंतरता का सिद्धांत :- विकास की प्रक्रिया माँ के गर्भ से शुरू होकर व्यक्ति की अंतिम सांस तक चलती है। विकास एक सतत प्रक्रिया है। व्यक्ति के परिपक्व होने के बाद भी विकास की प्रक्रिया जारी रहती है। एकीकरण का सिद्धांत :- यह कई छोटी इकाइयों के संयोजन को बड़ी इकाइयों में दर्शाता है। उदाहरण के लिए, छात्र पहले हाथ की गति फिर अंगुलियों की गति करना सीखना शुरू करता है, और फिर दोनों हाथों और उंगलियों की गति को एक साथ करना सीखता है, इस प्रक्रिया को एकीकरण का सिद्धांत कहा जाता है।

अंतःक्रिया का सिद्धांत :- व्यक्ति का विकास आनुवंशिकता और पर्यावरण की परस्पर क्रिया पर निर्भर करता है।

अंतर्संबंध का सिद्धांत: - किसी के विकास के विभिन्न आयाम परस्पर सम्बंधित हैं, जिसमें शारीरिक, सामाजिक और मानसिक पहलू शामिल हैं।

Principles of development:-

Principle of Continuity: - Process of development starts in the mother's womb and continues till the last breath of the person. Development never stops. Even after the person is matured, the development process still continues.

Principle of integration: - It denotes a combination of several smaller units into bigger ones. For example, Child first starts to learn hand movement then finger movement, and then learns the movement of both hand and finger together this process is called integration.

Principle of interaction: - Development of a person depends on the interaction of heredity and environment.

Principle of interrelation: - Various dimensions of one's development are interrelated, including physical, social, and mental aspects.

Ques 136. ANS (B) Solution:

व्यक्तित्व के लक्षण का सिद्धांत:

जी. डब्ल्यू. ऑलपोर्ट, आर. बी. कैटेल और एच.जे. आइसेक व्यक्तित्व के लक्षण सिद्धांत के प्रमुख प्रतिपादक हैं।

विशेषता व्यक्तित्व का एक आयाम होता है जिसे मापा जा सकता है और किसी व्यक्ति के सुसंगत व्यवहार का वर्णन करना चाहिए।

एक आयाम के रूप में एक विशेषता को मात्रात्मक रूप से व्यापक सकारात्मक अंत से अत्यधिक नकारात्मक अंत तक माप के निरंतर पैमाने के रूप में माना जाता है।

विशेषता सिद्धांत के अनुसार, यदि हम अपने आप को कुछ बुनियादी विशेषताओं तक सीमित रखते हैं जो एक मानव व्यक्तित्व के अनुरूप और विशिष्ट हैं, तो इसका वर्णन करने की समस्या सरल हो जानी चाहिए।

सिद्धांतवादी अक्सर उन लक्षणों के बीच अंतर करते हैं जो आसानी से देखे जाते हैं और जो गहरे और मूल व्यक्तित्व के करीब होते हैं।

विशेषता सिद्धांत के दृष्टिकोणों में से एक दृष्टिकोण पृष्ठ के लक्षणों के रूप में आसानी से देखने योग्य लक्षण का वर्णन करता है और स्रोत लक्षणों के रूप में गंभीर व्यक्तियों के लक्षणों का वर्णन करता है।

Trait theory of personality:

G.W. Allport, R.B. Cattell, and H.J. Eysenck are the chief exponents of the trait theory of personality.

A trait is a dimension of personality that can be measured and must describe the consistent behavior of an individual.

A trait as a dimension is conceived quantitatively as a continuous scale of measurement from extensive positive end to the extreme negative end.

According to the trait theory, if we confine ourselves to a few basic characteristics which are consistent and distinctive of a human personality the problem of describing it should become simpler.

Theorists often distinguish between the traits which are readily observed and those which are deeper and nearer to the core personality.

One of approach to the trait theory describes the readily observable traits as a surface traits and the deeper ones as source traits.

Ques 137. ANS (C) Solution:

एरिक एरिकसन के सिद्धांत के सभी चरणों से परिचित होने के लिए तालिका का संदर्भ लें।

Refer to the table to be familiar with all the stages of Erik Erikson's theory.

Ques 138. ANS (A) Solution:

मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्तियों में निम्नलिखित विशेषताएं होती हैं: समायोजित करने की क्षमता: यह क्षमता उन्हें स्वयं को अपनाने और अच्छी तरह से समायोजित करने के लिए हर नई स्थिति को समझने में सक्षम बनाती है। यह पारस्परिक संबंधों को विकसित करने और सभी के साथ सकारात्मक व्यवहार करने में भी मदद करती है।

आत्म-मूल्यांकन की क्षमता: यह क्षमता उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों से स्वयं का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाती है।

आत्मविश्वास: यह क्षमता उन्हें खुद को स्वीकार करने और भरोसा करने में सक्षम बनाती है और शिक्षार्थियों को सभी क्षेत्रों में बहुत आत्मविश्वास महसूस कराती है।

संवेगात्मक परिपक्वता: यह क्षमता उन्हें नैतिक निर्णय लेने और संचार करने में मदद करती है।

गहन सोच: यह क्षमता उन्हें वस्तुपरक दृष्टिकोण से जानकारी का विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है।

निर्णय लेना: यह एक ऐसी क्षमता है जो उन्हें प्रासंगिक जानकारी एकत्र करके रचनात्मक रूप से निर्णय लेने में मदद करती है।

वास्तविकता को स्वीकार करना: यह वास्तविकता को समझने और तदनुसार स्वीकार करने की क्षमता है।

समस्या-समाधान: यह क्षमता उन्हें दिन-प्रतिदिन के जीवन में हमारी समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजने में सक्षम बनाती है।

Mentally healthy persons possess the following characteristics:

Ability to adjust: This ability enables them to understand every new situation to adopt themselves and to adjust well. It also helps to develop interpersonal relationships and to deal positively with all.

Capacity of self-evaluation: This ability makes them able to evaluate themselves from various perspectives.

Self-confidence: This ability makes them able to accept and trust themselves and makes learners feel very confident in all areas.

Emotional Maturity: This ability helps them to inform and communicate moral judgments and decisions.

Critical thinking: This ability makes them able to analyze information with an objective perspective.

Decision making: This is an ability that helps them to constructively take decisions by gathering relevant information.

Acceptance of reality: This is the ability to understand reality and accept it accordingly.

Problem-solving: This ability enables them to find constructive solutions to our problems in day-to-day life.

Ques 139. ANS (A) Solution:

समस्या समाधान विधि:

सृजनात्मकता के विकास के लिए समस्या-समाधान विधि सबसे अच्छी विधि है।

यह छात्र को परिकल्पना तैयार करने और परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

यह छात्र को आलोचनात्मक चिंतन, खुले मस्तिष्क और पूछताछ और खोज की भावना विकसित करने में सहायता करती है।

यह शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी प्रदान करती है।

यह छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और चिंतन को प्रदान करती है।

यह छात्रों की जिम्मेदारी की भावना को बेहतर बनाने में सहायता करती है।

Problem solving method:

The problem-solving method is the best method for the development of creativity.

It encourages the student to formulate and test the hypotheses.

It helps the student to develop critical thinking, open-mindedness, and a spirit of inquiry and discovery.

It provides the active participation of the students in teaching-learning activities.

It provides students to gain scientific view and thinking.

It helps to improve the sense of responsibility of the students.

Ques 140. ANS (A) Solution:

बुद्धि का त्रि-आयामी मॉडल / बुद्धि संरचना का सिद्धांत:

बुद्धि का एस आई मॉडल 1966 में J P गिलफोर्ड द्वारा दिया गया था। जेपी गिलफोर्ड के बुद्धि संरचना (SI) के सिद्धांत में, बुद्धि को सक्रिया, विषय वस्तु और उत्पादन के रूप में देखा जाता है।

इस सिद्धांत के अनुसार,

सक्रिया के 6 प्रकार हैं (संज्ञान, अभिसारी चिन्तन, अपसारी चिन्तन,

अपसारी उत्पादन, अभिसारी उत्पादन, मूल्यांकन),
उत्पादन के 6 प्रकार हैं (इकाई, वर्ग, संबंध, प्रणाली, रूपांतरण और
अनुप्रयोग), और

विषय वस्तु के 5 प्रकार- चित्रात्मक (द्रश्य और श्रव्य), प्रतीकात्मक,
अर्थयात्मक, व्यवहारात्मक हैं।

इनमें से प्रत्येक आयाम स्वतंत्र है, सैद्धांतिक रूप से बुद्धि के 180 विभिन्न
घटक हैं।

SI सिद्धांत द्वारा अनुमानित विशिष्ट क्षमताओं को मापने के लिए गिलफोर्ड
ने कई प्रकार के समनोगतिक परीक्षण किए और उनका विकास किया।
ये परीक्षण सिद्धांत द्वारा प्रस्तावित कई क्षमताओं की एक परिचालन
परिभाषा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, कारक विश्लेषण का उपयोग यह
निर्धारित करने के लिए किया गया था कि एक ही या विभिन्न क्षमताओं को
मापने के लिए कौन से परीक्षण दिखाई दिए।

Three Dimensional Model of Intellect/Structured Theory of
Intelligence:

SI model of intelligence was given by J P Guilford in 1966.

In J.P. Guilford's Structure of Intellect (SI) theory, intelligence
is viewed as comprising operations, contents, and products.

According to this theory, There are

6 kinds of operations (cognition, memory recording, memory
retention, divergent production, convergent production,
evaluation),

6 kinds of products (units, classes, relations, systems,
transformations, and implications), and

5 kinds of contents ((Figural - visual & auditory), symbolic,
semantic, behavioral).

Each of these dimensions is independent, there are
theoretically 180 different components of intelligence.

Guilford researched and developed a wide variety of
psychometric tests to measure the specific abilities predicted
by SI theory.

These tests provide an operational definition of the many
abilities proposed by the theory. Furthermore, factor analysis
was used to determine which tests appeared to measure the
same or different abilities.

Ques 141. ANS (A) Solution:

ज्ञान और समझ प्राप्त करने में शामिल मानसिक प्रक्रियाओं को संज्ञान
कहा जाता है।

यह विचार और ज्ञान के विकास से संबंधित है। कई संज्ञानात्मक कार्यों में
समस्याओं को जानना, याद रखना, न्याय करना और हल करना शामिल
है।

हमारी सभी मानसिक क्षमताएं- अनुभव करना, याद रखना और तर्क
करना, एक जटिल प्रणाली में व्यवस्थित होते हैं, जिसके समग्र कामकाज
को संज्ञान कहा जाता है।

The mental processes involved in gaining knowledge and
understanding are referred to as cognition.

It deals with the development of thought and knowledge.

The numerous cognitive functions include knowing,
remembering, judging, and solving problems.

All our mental abilities- perceiving, remembering, and
reasoning, are organized into a complex system, the overall
functioning of which is termed cognition.

Ques 142. ANS (C) Solution:

आधुनिक मनोविज्ञान, व्यवहार के अध्ययन से संबंधित है। पिल्सबरी के
अनुसार, "मनोविज्ञान को मानव व्यवहार के विज्ञान के रूप में सबसे
संतोषजनक रूप से परिभाषित किया जाता है।"

पारंपरिक रूप से आधुनिक मनोविज्ञान का जनक वुंट को माना जाता है।
मनुष्य का व्यवहार कई कारकों से प्रभावित या अनुकूलित होता है।
लेकिन व्यवहार भी स्वयं प्रकट होता है।

इसे देखा और मापा जा सकता है।

मनुष्यों के व्यवहार का अध्ययन प्रयोग और अवलोकन के माध्यम से
किया जाता है।

यह व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का वर्णन, व्याख्या और नियंत्रण
करता है।

यह चेतन और अचेतन व्यवहार का अध्ययन है जिसमें भावनाएँ और
विचार शामिल हैं।

यह संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक व्यवहार का अध्ययन है।

Modern psychology is related to the study of behavior.

According to Pillsbury, "Psychology has been most
satisfactorily defined as the science of human behavior."

Wundt is traditionally recognized as the father of modern
psychology.

The behavior of man is influenced or conditioned by many
factors.

But behavior also manifests by itself.

It can be observed and measured.

Study of the behavior of humans through experimentation
and observation.

It describes, explains, and controls behavior and mental
processes.

It is the study of conscious and unconscious behavior which
includes feelings and thoughts.

It is the study of cognitive, affective, and psychomotor
behavior.

Ques 143. ANS (D) Solution:

बाल संवेगों की विशेषताएं:-

बाल संवेग संक्षिप्त हैं।

संवेगों की तीव्रता।

बच्चों की संवेग क्षणभंगुर होती हैं।

बच्चों की संवेग अक्सर प्रकट होती हैं।

संवेगों की तेजी।

संवेगों का बार-बार प्रकट होना।

बच्चे की भावनात्मक प्रतिक्रिया अलग होती है।

Characteristics of Child emotions:-

Child emotions are brief.

The intensity of emotions.

Child emotions are transitory in nature.

Emotions of children appear frequently.

The quickness of emotions.

A frequent manifestation of emotions.

The emotional response of a child is different.

Ques 144. ANS (B) Solution:

प्रक्षेपीय तकनीक वे परीक्षण हैं जो व्यक्तित्व के उन केंद्रीय पहलुओं को
प्रकट करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो व्यक्ति के अचेतन मन में
होता है।

अचेतन प्रेरणाएँ, छिपी हुई इच्छाएँ, आंतरिक भय और जटिलताएँ उनके
असंरचित स्वभाव से उत्पन्न होती हैं जो ग्राहक के सचेत व्यवहार को
प्रभावित करती हैं।

अपेक्षाकृत असंरचित कार्य का असाइनमेंट प्रक्षेपीय तकनीकों की एक
प्रमुख विशिष्ट विशेषता है।

प्रसंगात्मक बोध परीक्षण व्यक्तित्व मापन की एक प्रक्षेपी तकनीक है। इसे
हेनरी मरे ने विकसित किया था।

प्रसंगात्मक बोध परीक्षण (TAT) में 20 चित्र होते हैं जो सभी काले और सफेद होते हैं। चित्र में दर्शाए गए लोगों को जानबूझकर अस्पष्ट स्थितियों में बनाया जाता है।

व्यक्ति द्वारा सुनाई गई कहानी की व्याख्या मनोवैज्ञानिक द्वारा की जाती है, जो चित्रों में पात्रों पर सेवार्थी की छिपी भावनाओं को प्रकट करने वाले कथनों और प्रक्षेपण की खोज करने की कोशिश करता है।

प्रसंगात्मक बोध परीक्षण स्कोर की मूल व्याख्या पद्धति में, परीक्षक पहले यह निर्धारित करता है कि "नायक" कौन है, किसी भी लिंग का चरित्र जिसके साथ प्रतिवादी खुद को पहचानता है।

Projective methods are the tests that are designed to reveal those central aspects of personality that lie in the unconscious mind of an individual.

Unconscious motivations, hidden desires, inner fears, and complexes are presumed to be elicited by their unstructured nature that affects the client's conscious behavior.

The assignment of a relatively unstructured task is a major distinguishing feature of projective techniques.

Thematic Apperception Test is a projective technique of personality measurement. This test was developed by Henry Murray.

The Thematic Apperception Test (TAT) consists of 20 pictures which are all black and white. The people depicted in the picture are deliberately drawn in ambiguous situations.

The story narrated by the client is interpreted by the psychologist, who tries to look for revealing statements and projection of the client's hidden emotions onto the characters in the pictures.

In the original interpretation method of TAT scores, the examiner first determines who is the "hero", the character of either sex with whom the respondent presumably identifies himself or herself.

Ques 145. ANS (D) Solution:

आदतों के प्रकार-

आदतों के सामान्य वर्गीकरण में दो श्रेणियां शामिल होती हैं। अच्छी आदतें और बुरी आदतें हैं।

अच्छी आदतें: अच्छी आदतें वे हैं जिनका व्यक्ति और समाज पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। अच्छी आदतों को प्राप्त करने के लिए, दृढ़ संकल्प की दृढ़ता होनी आवश्यक है।

बुरी आदतें: बुरी आदतें व्यक्ति के साथ-साथ समाज के लिए भी हानिकारक होती हैं। बुरी आदतें आसानी से बन जाती हैं जैसे धूम्रपान, शराब पीना, जुआ आदि।

एक अन्य वर्गीकरण के अनुसार, आदतों को तीन समूहों में विभाजित किया जा सकता है-

शारीरिक आदतें: ये चलने, खड़े होने, कपड़े पहनने के तरीके और शरीर के अंगों के उपयोग से जुड़ी अन्य गतिविधियाँ हैं।

चरित्र की आदतें: ये चरित्र-निर्माण की आदतें हैं जैसे कि समय की पाबंदी, आतिथ्य, स्वच्छता, ईमानदारी, सच्चाई, सहयोग, ईमानदारी आदि।

विचार की आदतें: विचार की आदतें जैसे कि चिंतन, तर्क, उत्सुक अवलोकन और यथार्थ निर्णय।

Kinds of Habits-

The general classification of habits consists of two categories viz. are good habits and bad habits.

Good habits: Good habits are those which have a good impact on individual and society. In order to acquire good habits, it is necessary to have the firmness of determination.

Bad habits: Bad habits are harmful to the individual as well as

society. Bad habits are easily formed such as smoking, drinking, gambling etc

According to another classification, habits can be divided into three groups-

Bodily habits: These are walking, standing, manner of dress and other activities involving the use of body parts.

Habits of character: These are character-building habits such as punctuality, hospitality, cleanliness, honesty, truthfulness, cooperation, sincerity etc.

Habits of thought: Habits of thought such as those of thinking, reasoning, keen observation and accurate judgement.

Ques 146. ANS (B) Solution:

आंतरिक अभिप्रेरणा:

आंतरिक अभिप्रेरणा वह प्रेरणा है जो व्यक्तिगत आनंद, रुचि या आनंद से अनुप्राणित होती है। जो रुचि या आनंद से स्वतः उत्पन्न होती है और व्यक्ति के अंदर उपस्थित होती है।

यह अधिगम की आंतरिक स्थिति या कारक है। यह व्यवहार को निर्देशित करती है जो अधिगम में आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाती है।

यह कार्य करने और परिणाम उत्पन्न करने की प्रवृत्ति की उत्तेजना है। यह जीवन में कुछ हासिल करने की इच्छा है जो किसी की जरूरतों को पूरा करती है।

उदाहरण के लिए, एक छात्र बोर्ड परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है क्योंकि उसे कड़ी मेहनत करने में मजा आता है।

बाह्य अभिप्रेरणा:

बाह्य अभिप्रेरणा परिणाम प्राप्त करने के लिए किसी क्रिया के प्रदर्शन को संदर्भित करती है और व्यक्ति के बाहर से आती है।

यह एक ऐसे व्यवहार को संदर्भित करती है जो पुरस्कार अर्जित करने या सजा से बचने के द्वारा निर्देशित होता है।

इस प्रकार की अभिप्रेरणा एक मानसिकता का निर्माण करती है जहाँ शिक्षार्थी केवल तभी प्रयास करने की अपेक्षा करता है जब काम पूरा होने पर पुरस्कार मिलता है।

उदाहरण के लिए, एक छात्र बोर्ड परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है क्योंकि उसके पिता ने उसे अच्छे अंक प्राप्त करने पर मोटरसाइकिल देने का वादा किया है।

Intrinsic motivation:

Intrinsic motivation is the motivation that is animated by personal enjoyment, interest, or pleasure. It is driven by an interest or enjoyment in the task itself and exists within the individual.

It is the internal condition or factor of learning. It directs behavior that leads to self-actualization in learning.

It is the arousal of a tendency to act and produce results. It is the drive to achieve something in life that satisfies one's needs.

For example, A student is working hard for Board Examination because he enjoys doing hard work.

Extrinsic motivation:

Extrinsic motivation refers to the performance of an activity in order to attain an outcome and comes from outside of the individual.

It refers to a behavior that is guided by earning rewards or avoiding punishment.

Such kind of motivation creates a mindset where the learner expects to put effort only when there is a reward at the completion of work.

For example, A student is working hard for Board Examination because his father has promised to him a motorcycle if he gets good marks.

Ques 147. ANS (B) Solution:

शिक्षित मानसिक रूप से मंद (EMR), प्रशिक्षित मानसिक रूप से मंद (TMR), और अभिरक्षा में मानसिक रूप से मंद (CMR) की बुद्धि लब्धि श्रेणियाँ नीचे दी गई हैं:

मंदबुद्धि छात्रों का स्तर	मंदबुद्धि छात्रों की बुद्धि-लब्धि की श्रेणियाँ	शिक्षक
सौम्य मंदता	50-70	मंदबुद्धि छात्रों की शिक्षा
मध्यम मंदता	35-50	मंदबुद्धि छात्रों का प्रशिक्षण
गंभीर मंदता	20-35	मंदबुद्धि छात्रों की अभिरक्षा
गहन मंदता	Below 20	मंदबुद्धि छात्रों की अभिरक्षा

The IQ ranges of educable mentally retarded (EMR), trainable mentally retarded (TMR), and custodial mentally retarded (CMR) are given below:

Levels of MR	IQ Range of MR	Educators
Mild Retardation	50-70	Educable Mentally Retarded
Moderate Retardation	35-50	Trainable Mentally Retarded
Severe Retardation	20-35	Custodial Mentally Retarded
Profound Retardation	Below 20	Custodial Mentally Retarded

Ques 148. ANS (B) Solution:

गैन्ने के आठ बौद्धिक स्तर या अधिगम के आठ प्रकार: संकेत अधिगम: शिक्षार्थी एक संकेत के प्रति सामान्य अनुक्रिया करता है। उद्दीपक-अनुक्रिया अधिगम: शिक्षार्थी एक संकेत के लिए सटीक अनुक्रिया करता है। श्रृंखला अधिगम: एक क्रम में व्यक्तिगत उद्दीपकों और अनुक्रियाओं के एक समूह का संबंध। शाब्दिक साहचर्य अधिगम: शिक्षार्थी मौखिक संबंध का उपयोग करके जुड़ाव बनाता है। विभेद अधिगम: शिक्षार्थी विभिन्न उद्दीपकों के लिए अलग-अलग अनुक्रिया करता है जो कुछ हद तक एक जैसे होती हैं। सम्प्रत्यय अधिगम: शिक्षार्थी उद्दीपकों के वर्ग के आधार पर सामान्यीकृत अनुक्रिया करने की क्षमता विकसित करता है। सिद्धान्त अधिगम: एक नियम प्रदर्शित व्यवहार से जुड़ी अवधारणाओं की एक श्रृंखला है। समस्या-समाधान अधिगम: शिक्षार्थी पहले से सीखे गए नियमों के संयोजन

का पता लगाता है और एक आदर्श स्थिति को हल करने के लिए उन्हें लागू करता है।

Gagne's Eight Intellectual Levels or Eight Types of Learning:

Signal learning: The learner makes a general response to a signal.

Stimulus-response learning: The learner makes a precise response to a signal.

Chaining: The connection of a set of individual stimulus and responses in a sequence.

Verbal association: The learner makes associations using verbal connections.

Discrimination Learning: The learner makes different responses to different stimuli that are somewhat alike.

Concept learning: The learner develops the ability to make a generalized response based on a class of stimuli.

Rule learning: A rule is a chain of concepts linked to demonstrated behavior.

Problem-solving: The learner discovers a combination of previously learned rules and applies them to solve a novel situation.

Ques 149. ANS (B) Solution:

किशोरावस्था युवावस्था से वयस्कता तक के विकास की अवधि है। यह वह समय होता है जब बच्चा निर्भरता से स्वायत्तता की ओर बढ़ता है। यह शारीरिक और सामाजिक परिवर्तनों में महत्वपूर्ण समायोजन की मांग करने वाला समय है जो बाल्यावस्था के व्यवहार को वयस्क व्यवहार से अलग करता है।

Adolescence is the period of development from pubescence to adulthood.

It is the period when the child moves from dependency to autonomy.

It is a period demanding significant adjustment to the physical and social changes which distinguish childhood behavior from adult behavior.

Ques 150. ANS (C) Solution:

सभी जीव जन्मजात जैविक प्रवृत्तियों के साथ उत्पन्न होते हैं जो उन्हें जीवित रहने में सहायता करते हैं।

यह सिद्धान्त बताता है कि वृत्ति सभी तरह के व्यवहारों को संचालित करती है।

वृत्ति लक्ष्य-निर्देशित और व्यवहार के सहज स्वरूप हैं जो अधिगम या अनुभव का परिणाम नहीं हैं।

जन्मजात उद्देश्यों के रूप में भी जाना जाता है।

उदाहरण - भूख, प्यास, नींद आदि।

All organisms are born with innate biological tendencies that help them survive.

This theory suggests that instincts drive all behaviours.

Instincts are goal-directed and innate patterns of behaviour that are not the result of learning or experience.

Also known as innate motives.

Example - Hunger, Thirst, Sleep.

Ques 151. ANS (D) Solution:

व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रक्षेपी तकनीकें मनोविश्लेषणात्मक विचारधारा से निकली हैं, जिसने सुझाव दिया कि लोगों में अचेतन विचार या प्रेरणा हैं। एक प्रक्षेपीय परीक्षण एक प्रकार का व्यक्तित्व परीक्षण है जिसमें आप अस्पष्ट दृश्यों, शब्दों या छवियों पर अनुक्रिया देते हैं।

इस तरह के परीक्षणों का लक्ष्य अप्रकट व्यवहार और छिपे हुए संघर्षों या भावनाओं का मूल्यांकन करना है जो आप परीक्षण पर इस उम्मीद के

साथ पेश करते हैं कि इन मुद्दों को मनोचिकित्सा या अन्य उपयुक्त उपचारों के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है।

प्रक्षेपीय परीक्षणों का उद्देश्य सचेत जागरूकता से छिपी भावनाओं, इच्छाओं और संघर्षों को उजागर करना है।

ये परीक्षण एक विशेष प्रकार का परीक्षण है जिसमें अस्पष्ट उद्दीपक का प्रयोग किया जाता है और जिस व्यक्ति के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जा रहा है उसे अपना अर्थ या व्याख्या स्वयं देनी होती है।

इस प्रकार, यह उम्मीद की जाती है कि परीक्षार्थी के व्यक्तित्व को उसके द्वारा दिए गए उत्तर में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्हें अपने व्यक्तित्व के बारे में अनुक्रिया देने की स्वतंत्रता होती है।

सभी प्रक्षेपीय परीक्षण विषयों को स्वतंत्र रूप से उद्दीपकों की अनुक्रिया देने का मौका देते हैं, जिसका अर्थ है कि वे अत्यधिक व्यक्तिपरक हैं, और परिणाम व्यक्ति की ईमानदारी और मनोवैज्ञानिकों के विश्लेषण दोनों पर निर्भर करता है।

इस प्रकार उपर्युक्त बिन्दुओं से स्पष्ट है कि व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रक्षेपी तकनीकों में अप्रकट व्यवहार का मूल्यांकन किया जाता है।

Projective techniques of personality assessment emerged from the psychoanalytic school of thought, which suggested that people have unconscious thoughts or urges.

Projective test is a type of personality test in which you offer responses to ambiguous scenes, words, or images.

The goal of such tests is to evaluate the covert behavior and hidden conflicts or emotions that you project onto the test with the hope that these issues can then be addressed through psychotherapy or other appropriate treatments.

Projective tests are intended to uncover feelings, desires, and conflicts that are hidden from conscious awareness.

These tests are a special kind of test in which ambiguous stimulus is used and the person whose personality is being tested has to give his or her own meaning or interpretation.

Thus, it is expected that the personality of the examinee will be projected in the response given by him or her. They have the freedom to respond about their personality.

All projective tests give subjects a chance to respond to stimuli independently which means they are highly subjective, and the result depends on both the honesty of the individual and analysis of the psychologists.

Thus, from the above-mentioned points, it is clear that in projective techniques of personality assessment, covert behaviour is evaluated.

Ques 152. ANS (C) Solution:

बुद्धि-लब्धि जिसे आमतौर पर IQ के नाम से जाना जाता है, एक मानकीकृत परीक्षण के स्कोर को संदर्भित करता है जो मानव बुद्धि का आकलन और माप करता है।

बुद्धि को मापने के लिए पहला परीक्षण 1905 में बिनेट और साइमन द्वारा विकसित किया गया था।

1916 में टरमन ने परीक्षण को संशोधित किया और बुद्धि-लब्धि की अवधारणा तैयार की।

Intelligence Quotient commonly known as IQ refers to the score of a standardized test that assesses and measures human intelligence.

The first test to measure intelligence was developed by Binet and Simon in 1905.

Terman in 1916 revised the test and devised the concept of Intelligence Quotient.

Ques 153. ANS (B) Solution:

रेवेन प्रोग्रेसिव मैट्रिस (RPM) को 1936 में जॉन सी. रेवेन द्वारा विकसित किया गया था।

यह आगमनात्मक तर्क का एक गैर-मौखिक समूह बुद्धि परीक्षण है, जिसे स्पीयरमैन के जी कारक या सामान्य बुद्धि को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसमें 60 बहुविकल्पीय विषय होते हैं और इसे 5 वर्ष से लेकर बड़े वयस्कों तक के बच्चों को दिया जा सकता है।

परीक्षण में एक लुप्त खंड के साथ दृश्य ज्यामितीय प्रारूप शामिल हैं और परीक्षार्थी का कार्य मैट्रिस के लुप्त भाग को छह से आठ दिए गए विकल्पों में से चुनना है।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि रेवेन का मानक प्रगतिशील मैट्रिस बुद्धि का एक समूह परीक्षण है।

Raven's Progressive Matrices (RPM) was developed by John C. Raven in 1936.

It is a non-verbal group intelligence test of inductive reasoning, designed to measure Spearman's g factor or general intelligence.

It consists of 60 multiple-choice items and can be administered to children from 5 years old to older adults.

The test contains visual geometric designs with a missing piece and the task of the test taker is to choose the missing part of the matrix from six to eight given alternatives.

Thus, it is concluded that Raven's standard progressive matrices is a Group test of intelligence.

Ques 154. ANS (D) Solution:

पूर्व पारंपरिक:

पूर्व-पारंपरिक स्तर पर, बच्चे अपने आसपास के लोगों से सही और गलत सीखते हैं। उनका आचरण बाहरी कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है जैसे प्राधिकरण के आंकड़ों द्वारा अनुमोदन और अस्वीकृति या पुरस्कार और दंड जैसे पुनर्बलन। इस प्रकार, एक बच्चे का व्यवहार आज्ञाकारिता और दंड की ओर उन्मुख होता है।

पारंपरिक नैतिकता:

यह नैतिक विकास का दूसरा चरण है। यह सही और गलत से संबंधित सामाजिक नियमों की स्वीकृति की विशेषता है।

इसमें एक क्रिया की नैतिकता का न्याय करने में समाज और सामाजिक नियम शामिल हैं और इसलिए इस स्तर पर नैतिक चिन्तन शुरुआती सामाजिक परिपेक्ष पर आधारित होता है।

उत्तर-पारंपरिक नैतिकता:

नैतिक विकास के उत्तर-पारंपरिक चरण में, सही और गलत की भावना व्यक्ति के विवेक द्वारा तय की जाती है और बाहर से कुछ भी अधिरोपित नहीं किया जा सकता है।

कोई व्यक्ति जीवन के लिए मूल्य जैसे कुछ सार्वभौमिक मूल्यों को उच्चतम क्रम में रख सकता है और उसके लिए एक नियम भी तोड़ सकता है।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि दंड जैसे पुनर्बलन कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत के पूर्व-पारंपरिक स्तर में नैतिक संहिता को परिभाषित करते हैं।

Pre- conventional:

At the pre-conventional level, children learn right and wrong from the people around them. Their conduct is determined by external factors like approval and disapproval by authority figures or reinforcements like rewards and punishment. Thus, a child's behavior is oriented towards obedience and punishment.

Conventional morality:

It is the second level of moral development. It is characterized by acceptance of societal rules concerning

right and wrong.

It includes society and societal rules in judging the morality of an action and hence at this level is moral thinking based on taking the initial perspective of the society.

Post-conventional morality:

In the post-conventional level of moral development, the sense of right and wrong is decided by one's own conscience and nothing can be imposed from outside.

One may keep certain universals like value for life at the highest order of values and may also break a law for the same.

Thus, it is concluded that reinforcements like punishments define moral code in Pre-conventional level of Kohlberg's Moral Development Theory.

Ques 155. ANS (D) Solution:

तथात्मक अधिगम सबसे सामान्य प्रकार के अधिगम में से एक है जिसे सीख लेने की अपेक्षा छात्रों से की जाती है।

तथात्मक ज्ञान को किसी विशेष विषय या अनुशासन के बारे में मूलभूत जानकारी के रूप में वर्णित किया जा सकता है जिससे छात्र को परिचित होना चाहिए।

छात्रों के लिए तथात्मक ज्ञान हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक विषय को परिभाषित करने वाली महत्वपूर्ण जानकारी के बीच बड़े संबंधों को समझने के लिए एक बुनियादी निर्माण खंड के रूप में कार्य करता है। तथात्मक ज्ञान को तकनीकी रूप से शब्दार्थ ज्ञान या सामान्य ज्ञान कहा जाता है। उदाहरण के लिए, राज्यों के नाम और संबंधित राजधानियों के नाम सीखना।

Factual learning is one of the most common types of learning that students are expected to learn.

Factual knowledge may be described as the basic information about a particular subject or discipline that a student must be acquainted with.

Acquiring factual knowledge is important to students because it serves as a basic building block to understand the larger relationships among important information that define a subject.

Factual knowledge is technically referred to as semantic knowledge or generic knowledge. For example, learning the names of the states and the names of the corresponding capital cities.

Ques 156. ANS (C) Solution:

सोलह व्यक्तित्व कारक प्रश्नावली (16-PF प्रश्नावली):

इसे कैटेल द्वारा विकसित किया गया है। यह व्यक्तित्व विवरणों के एक बड़े समूह की पहचान करता है जो बुनियादी व्यक्तित्व संरचना की पहचान करने के लिए कारक विश्लेषण के अधीन है।

कैटेल के व्यक्तित्व कारकों को सोलह व्यक्तित्व कारक प्रश्नावली (16PF) में शामिल किया गया है जो आज शिक्षा में जीविका परामर्श के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

कर्ता विकल्प चुनकर स्थिति का उत्तर देता है। कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श के लिए भारत में उच्च विद्यालय स्तर के छात्रों के साथ इस परीक्षा का उपयोग किया जाता है।

रेमंड कैटेल ने निम्नलिखित 16 व्यक्तित्व आयामों का वर्णन किया:

अमूर्तता: काल्पनिक बनाम व्यावहारिक

आशंका: चिंतित बनाम आश्वस्त

प्रभुत्व: सशक्त बनाम विनम्र

संवेगात्मक स्थिरता: शांत बनाम अत्यंत सख्त

आजीविका: संयमी बनाम निस्सूद

परिवर्तन के लिए खुलापन: लचीले बनाम परिचित से जुड़ा हुआ

पूर्णतावाद: नियंत्रित बनाम अनुशासनहीन

विशेषाधिकार: विवेकशील बनाम मुक्त

तर्क: अमूर्त बनाम मूर्त

नियम-चेतना: अनुरूपता बनाम गैर-अनुरूपता

आत्मनिर्भरता: आत्मनिर्भर बनाम निर्भर

संवेदनशीलता: दयालु बनाम कठिन दिमाग

सामाजिक साहस: निर्जन बनाम संकोची

तनाव: रोगी बनाम शिथिल

सतर्कता: संदिग्ध बनाम भरोसेमंद

गर्मजोशी: निवर्तमान बनाम आरक्षित

Sixteen Personality Factors Questionnaire (16-PF Questionnaire):

It is developed by Cattell. It identifies a large set of personality descriptions which is subjected to factor analysis to identify basic personality structure.

Cattell's personality factors are included in the Sixteen Personality Factor Questionnaire (16PF) that is widely used today for career counseling in education.

The subject responds to the situation by choosing alternatives. This test is being used with high school level students in India for career guidance and counseling.

Raymond Cattell described the following 16 personality dimensions:

Abstractedness: Imaginative versus practical

Apprehension: Worried versus confident

Dominance: Forceful versus submissive

Emotional stability: Calm versus high-strung

Liveliness: Spontaneous versus restrained

Openness to change: Flexible versus attached to the familiar

Perfectionism: Controlled versus undisciplined

Privateness: Discreet versus open

Reasoning: Abstract versus concrete

Rule-consciousness: Conforming versus non-conforming

Self-reliance: Self-sufficient versus dependent

Sensitivity: Tender-hearted versus tough-minded

Social boldness: Uninhibited versus shy

Tension: Inpatient versus relaxed

Vigilance: Suspicious versus trusting

Warmth: Outgoing versus reserved

Ques 157. ANS (D) Solution:

किशोरों में अमूर्त सोच की क्षमता विकसित होती है, संबंधों के मुद्दों के बारे में सोचने का तरीका पता चलता है, जानकारी को संसाधित करने के नए तरीकों की पहचान होती है और वे सृजनात्मक और विवेचनात्मक रूप से सोचना सीखते हैं।

किशोर मूर्त सोच से विचारों, अवधारणाओं और अमूर्त सिद्धांतों को हल करने के लिए आगे बढ़ते हैं। वे अमूर्त अवधारणाओं और धारणाओं में उत्साहपूर्वक रुचि लेते हैं और यह समझने में सक्षम होते हैं कि काल्पनिक से वास्तविक क्या है।

किशोर कक्षा में उत्तर देने का प्रयास करते हैं और अपने कारण ठीक से बताते हैं। वे कभी-कभी भ्रमित हो सकते हैं इसलिए कक्षा में तर्क एक किशोर की संज्ञानात्मक क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। तर्क और सृजनात्मक सोच की क्षमता किशोरों को नवाचार करने और कठिन परिस्थितियों से दूर होने में मदद करती है। वे जानकारी को समझते हैं और सफलता और विफलता के चरणों से गुजरने वाली समस्याओं को हल करने के लिए उस समझ पर कार्य करते हैं।

अहंकेन्द्रितता या स्वार्थ किशोरों की पहचान है। उन्हें यह विचार हो सकता है कि हर कोई उन्हें देख रहा है जैसे कि वे मंच पर थे और अपने विशेष व्यवहार से दूसरों का ध्यान आकर्षित करते हैं।

सृजनात्मक रूप से सोचने की क्षमता एक ओर किशोरों को नवाचार करने, कठिन परिस्थितियों से दूर होने में मदद करती है, और दूसरी ओर, अभिनव और संभावित जोखिम भरे प्रयोगों जैसे कि जल्दबाजी में ड्राइविंग, असुरक्षित यौन संबंध, शराब और ड्रग्स लेना आदि के कारण परेशानियों को आमंत्रित करती है।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कक्षाओं में तर्क करना एक किशोर की संज्ञानात्मक क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

The adolescents develop a capacity for abstract thinking, discover how to think about relationship issues, discern new ways of processing information and learn to think creatively and critically.

The adolescents move from concrete thinking to dealing with ideas, concepts, and abstract theories. They become passionately interested in abstract concepts and notions and are able to discern what is real from what is ideal.

Adolescents try to answer and give their reasons properly in the classroom. They might get confused sometimes so the reasoning in the classroom can have a significant impact on the cognitive competence of an adolescent.

The ability of reasoning and creative thinking helps adolescents to make innovations and getting away from difficult situations. They understand information and act on that understanding to solve problems passing through phases of success and failure.

Egocentricity or self-interest is the hallmark of adolescents. They may have the idea that everyone is watching them as though they were on stage and tend to draw others' attention by their particular behavior.

The ability to think creatively on one hand helps adolescents to make innovations, getting away from difficult situations, and, on the other hand, invites troubles due to innovative and potentially risky experiments like rash driving, unsafe sex, taking alcohol and drugs, etc.

Hence, it is concluded that reasoning in classrooms can have a significant impact on the cognitive competence of an adolescent.

Ques 158. ANS (D) Solution:

लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बच्चे अपने लिंग के बारे में सीखते हैं और उन लोगों के लक्षणों और मूल्यों को अपनाकर उनके अनुसार व्यवहार करते हैं जिन्हें वे अपने लिंग के रूप में पहचानते हैं।

उदाहरण के लिए, जब एक लड़का बड़ा होता है, तो वह खुद को पुरुष लिंग के रूप में पहचानता है और रूढ़िबद्ध पुरुष बनने का प्रयास करता है। यह एक ऐसी विधि है जिसके माध्यम से एक बच्चा अपने यौन अभिविन्यास की खोज करता है और उसे व्यक्त करता है।

लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) के माध्यम से बच्चे लिंग भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं जो सामाजिक मानदंडों का एक समूह है जो उन व्यवहारों के प्रकारों को निर्धारित करता है, जिन्हें आम तौर पर लोगों के लिए उनके वास्तविक या कथित लिंग या कामुकता के आधार पर स्वीकार्य, उपयुक्त या वांछनीय माना जाता है।

अतः, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बच्चे कम उम्र में लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) समाजीकरण प्रक्रिया में बच्चे कम उम्र में ही उचित लैंगिक भूमिकाएँ सीखते हैं।

Gender typing is the process through which children learn about their gender and behave accordingly by adopting the traits and values of people they identify as belonging to their sex.

For example when a boy grows up, he identifies himself as the male gender and strives to be the stereotypical man. It is a method through which a child discovers and expresses his or her sexual orientation.

Through gender-typing children learn about gender roles which is a set of societal norms dictating the types of behaviors that are generally considered acceptable, appropriate, or desirable for people based on their actual or perceived sex or sexuality.

Hence, we conclude that children learn appropriate gender roles at an early age in the gender typing process.

Ques 159. ANS (B) Solution:

अंत-वैयक्तिक बुद्धि गार्डनर द्वारा प्रस्तावित आठ बुद्धि में से एक है।

अंतरावैयक्तिक बुद्धि से तात्पर्य दूसरों को समझने की क्षमता और सामाजिक अंतःक्रियाओं से है। वे दूसरों के स्वभाव, प्रयोजनों, भावनाओं और दृष्टिकोणों को समझ सकते हैं और दूसरों से अच्छी तरह से संबंधित हो सकते हैं। वे दूसरों के साथ अच्छे पारस्परिक संबंध स्थापित कर सकते हैं। उनके पास अच्छा और प्रभावशाली संचार कौशल है।

इस प्रकार के लोग सामाजिक रूप से बुद्धिमान होते हैं।

वे प्रभावी ढंग से संवाद करते हैं और दूसरों के साथ आसानी से सहानुभूति रखते हैं, और वे नेता या अनुयायी हो सकते हैं। वे आम तौर पर दूसरों के साथ कार्य करके सबसे अच्छा सीखते हैं और अक्सर चर्चा और बहस का आनंद लेते हैं।

इस बुद्धि वाले लोगों के लिए उपयुक्त व्यवसायों में विक्रय, राजनेता, प्रबंधक, शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि अंतवैयक्तिक बुद्धि वाले लोगों को 'सामाजिक बुद्धिमान' कहा जाता है।

Inter-personal intelligence is one of the eight intelligence proposed by Gardner.

Interpersonal Intelligence refers to the ability to understand others and social interactions. They can understand the temperaments, intentions, emotions, and perspectives of others and relate well to others. They can establish good interpersonal relationships with others. They have good and effective communication skills.

These types of people are socially smart.

They communicate effectively and empathize easily with others, and may be either leaders or followers. They typically learn best by working with others and often enjoy discussion and debate.

Careers that suit those with this intelligence include sales, politicians, managers, teachers, and social workers.

Thus, it is concluded that People having Interpersonal intelligence are called 'Social smart'.

Ques 160. ANS (D) Solution:

मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लाभ:

अन्य भाषाओं को चुनना और सीखना आसान बनाता है।

कक्षा के वातावरण को आरामदायक बनाता है और बच्चों के आत्म-सम्मान को बढ़ाता है।

उनकी आलोचनात्मक सोच और साक्षरता कौशल विकसित करने में मदद करता है। यह आगे हर विषय में उपयोग की जाने वाली भाषा का विस्तार करने में मदद करता है।

बच्चे की व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान विकसित करने में मदद करता है। बच्चा अपनी पहचान मातृभाषा से ही पहचानता है। इस प्रकार, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मातृ भाषा में प्राथमिक शिक्षा देने से बच्चे के भाषा विकास को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

Advantages of providing primary education in mother tongue:

Makes it easier to pick up and learn other languages.

Makes the classroom environment comfortable and boosts the self-esteem of the children.

Helps in developing their critical thinking and literacy skills. It further helps in extending the language to use in every subject.

Helps in developing the child's personal, social and cultural identity. The child recognizes their identity from the mother language.

Thus, we can conclude that giving primary education in the mother language can help foster the language development of the child.

Ques 161. ANS (D) Solution:

टीएलएम (TLM) का उपयोग अधिगम को सरल बनाने के लिए किया जाता है। आज कक्षा-कक्ष शिक्षण हेतु विभिन्न श्रव्य-दृश्य सहायक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इनके उपयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से कर पाते हैं और उसका प्राप्त ज्ञान भी स्थायी रहता है। शिक्षण सहायक सामग्री (ऊष्ण) के अंतर्गत निम्नलिखित उपकरण आते हैं- श्वेत/श्यामपट्ट, लपेट फलक, फ्लेनल बोर्ड, क्लिप बोर्ड, इंटरैक्टिव बोर्ड, ओवर हेड प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, रेडियो आदि।

TLM is used to simplify learning. Today various audio-visual aids are being used for classroom teaching. Their use helps the teacher in teaching. Besides this, students are also able to learn the subject effectively and the knowledge gained remains permanent. Teaching Aids (Teaching Aids) include the following equipment – blackboard, blackboard, flannel board, clip board, interactive board, over head projector, digital camera, multimedia projector, computer, radio etc.

Ques 162. ANS (B) Solution:

सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में तकनीकी का उपयोग करने को, शिक्षण में आई.सी.टी. (ICT) कहते हैं। आई.सी.टी. या सूचना एवं संचार तकनीकी की सहायता से एक अध्यापक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बना सकता है। सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी छात्र केन्द्रित अधिगम प्रक्रियाओं तथा समस्या समाधान विधि, प्रयोजना विधि इत्यादि को प्रयुक्त करने में सहायक प्रदान करती है। इसके तीव्र विस्तार के साथ-साथ अध्यापक की भूमिका में भी बदलाव आ रहा है।

To use technology to improve the learning process, ICT in teaching. (ICT) is called. ICT. Or with the help of information and communication technology, a teacher can make the teaching-learning process effective. Information and communication technology helps in using student centric learning processes and problem solving method, application method etc. Along with its rapid expansion, the role of the teacher is also changing.

Ques 163. ANS (A) Solution:

Operating system एक System software है, जो कि user के और computer hardware के बीच में interface का काम करता है।

उदाहरण- लाइनक्स, विंडोज 10, ios, Android आदि। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अतिरिक्त सभी कम्प्यूटर आपरेटिंग सिस्टम है।

Operating system is a system software, which acts as an interface between the user and the computer hardware.

Example – Linux, Windows 10, ios, Android etc. All computer operating systems except Microsoft Office.

Ques 164. ANS (C) Solution:

उन्मुक्त वातावरण वाली कक्षा में शिक्षक एक सर्वमान्य बौद्धिक नेता के रूप में शिक्षार्थियों को नेतृत्व प्रदान करता है। उसका शिक्षार्थियों पर कठोर नियंत्रण नहीं होता है वरन वह उनकी जरूरतों व समस्याओं को समझकर उनका मार्गदर्शन करते हुए शिक्षण कार्य सम्पादित करता है।

In a classroom with an open environment, the teacher provides leadership to the learners as a universally recognized intellectual leader. He does not have strict control over the learners, rather he completes the teaching work by understanding their needs and problems and guiding them.

Ques 165. ANS (D) Solution:

प्रभावी डोमेन में उपर्युक्त में से किसी भी स्तर पर संक्षिप्त ज्ञान नहीं बनाया जाता है। प्रभावी डोमेन के अंतर्गत वे उद्देश्य आते हैं जिनका संबंध भावों, दृष्टिकोणों, मूल्यों, संवेगों, मनोवृत्ति, रूचियों आदि से होता है। इसलिए इस डोमेन में संक्षिप्त ज्ञान पर बल नहीं दिया जाता है।

In the affective domain abstract knowledge is not created at any of the above levels. Affective domain includes those objectives which are related to feelings, attitudes, values, emotions, attitudes, interests etc. Hence abstract knowledge is not emphasized in this domain.

Ques 166. ANS (C) Solution:

रचनात्मक सोच के निम्न चरण हैं- (1) तैयारी (Preparation) (2) उष्णायन (Illumination) (3) उद्बोधन या अंतर्दृष्टि (Insight) (4) मूल्यांकन (Evaluation) (5) पुनरावृत्ति (Revision)

Following are the stages of creative thinking – (1) Preparation (2) Illumination (3) Insight (4) Evaluation (5) Revision

Ques 167. ANS (A) Solution:

अन्य विद्यार्थियों की मदद करना, जोड़ी और समूह गतिविधियों में सहयोग करना, सामग्री साझा करना, सद्भावना व्यक्त करना, सहानुभूति प्रदर्शित करना, परोपकार करना, बात-चीत करना आदि सामाजिक कौशल हैं जबकि दुनिया के बारे में उत्सुकता दिखाना एक प्रकार की व्यक्तिगत जिज्ञासा है जो सामाजिक कौशल की श्रेणी में नहीं आता है।

Helping other students, collaborating in pair and group activities, sharing materials, expressing goodwill, showing empathy, altruism, talking, etc. are social skills while showing curiosity about the world is a type of personal curiosity. Which does not come under the category of social skills.

Ques 168. ANS (C) Solution:

Ans. (c) : सहभागिता कौशल जीवन कौशल की एक सामान्य श्रेणी नहीं है। इसके अन्तर्गत भावनात्मक कौशल, सामाजिक कौशल तथा चिंतन या सोच कौशल शामिल हैं।

जीवन कौशल अनुकूल तथा सकारात्मक व्यवहार हेतु ऐसी योग्यताएँ हैं जो व्यक्तियों को दैनिक जीवन की माँगों और चुनौतियों का प्रभावपूर्ण ढंग से सामना करने में समर्थ बनाती हैं।

जीवन कौशल के अन्तर्गत निम्न शामिल हैं-

सामाजिक कौशल	चिंतन कौशल	भावनात्मक कौशल
आत्म जागरूकता	आलोचनात्मक व सृजनात्मक चिंतन	
परानुभूति	निर्णय लेना	तनाव से जूझना
प्रभावी संचार	समस्या का समाधान	भावनाओं से जूझना
अंतर्व्यक्तिक संबंध		
समझौता वार्ता		

Ques 169. ANS (D) Solution:

कोहलबर्ग के लिए पदानुक्रम एकीकरण की अवधारणा बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसने उन्हें अपने चरण अनुक्रम की दिशा की व्याख्या करने में सक्षम किया। कोहलबर्ग ने नैतिक विकास का सिद्धांत प्रतिपादित किया है। उन्होंने नैतिक विकास सिद्धांत को तीन चरणों में विभाजित किया है और उन्हें सार्वभौमिक माना है। सार्वभौमिक का तात्पर्य है कि कोई भी बच्चा हो वह इन चरणों से होकर अवश्य गुजरता है। कोहलबर्ग के अनुसार नैतिक विकास की ये चरण एक निश्चित क्रम में आती हैं। इसके क्रम को बदला नहीं जा सकता है।

The concept of hierarchical integration was very important for Kohlberg because it enabled him to explain the direction of his stage sequence. Kohlberg has propounded the theory of moral development. He has divided the moral development theory into three stages and considered them universal. Universal means that any child definitely passes through these stages. According to Kohlberg, these stages of moral development come in a certain order. Its order cannot be changed.

Ques 170. ANS (B) Solution:

वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले आंतरिक कारक निम्न हैं- (i) भावात्मक कारक (ii) बुद्धि (iii) आनुवंशिक कारक (iv) जैविक कारक और संवैधानिक कारक (v) शारीरिक कारक आदि

The internal factors affecting growth and development are as follows – (i) Emotional factors (ii) Intelligence (iii) Genetic factors (iv) Biological factors and constitutional factors (v) Physical factors etc.

Ques 171. ANS (C) Solution:

एक आक्रामक क्रोधी एवं विद्रोही प्रवृत्ति वाले छात्र से निपटने के लिए एक शिक्षक को छात्र के व्यवहार को नम्य बनाने का भरसक प्रयास करना चाहिए। इसके लिए उसे सामूहिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

To deal with an aggressive, angry and rebellious student, a teacher should try his best to make the student's behavior flexible. For this he should be motivated to participate in group activities.

Ques 172. ANS (D) Solution:

उपर्युक्त प्रश्न के अनुसार एक कुशल अध्यापक को किसी भी सेक्शन में पढ़ाने पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक के लिए सभी विद्यार्थी महत्वपूर्ण होते हैं और सभी में कुछ न कुछ विशेष योग्यता होती है

जिस पर यदि समुचित ध्यान दिया जाये तो वे अपने विकास के लिए प्रेरित होंगे।

According to the above question, a skilled teacher should not have any objection to teaching in any section, because all the students are important for the teacher and all of them have some special ability which if given proper attention, they can help in their development. Will be inspired to.

Ques 173. ANS (D) Solution:

विशेष रूप से सीखने की कठिनाइयों, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों, विशिष्ट विकलांगता (शारीरिक या विकासात्मक) से पीड़ित छात्रों की शिक्षा की पद्धति और अभ्यास का वर्णन करने के लिए सामान्यतया विशेष शिक्षा शब्द का उपयोग किया जाता है। विशेष शिक्षा कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए है। इसमें उनको विशिष्ट शिक्षा प्राप्त शिक्षक समाज में समायोजन हेतु प्रशिक्षित करते हैं।

The term special education is commonly used to describe the method and practice of educating students with specific learning difficulties, mental health issues, or specific disabilities (physical or developmental). Special education programs are for children with special needs. In this, teachers with special education train them for adjustment in the society.

Ques 174. ANS (A) Solution:

पीडब्ल्यूडी का पूर्ण रूप है- 'पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज'। PWD Act को हिन्दी में विकलांग जन अयोग्यता अधिनियम के नाम से जाना जाता है। जिसे अंग्रेजी में Person with disability Act कहा जाता है। PWD Act 1995 : Person with disability act 1995 का कार्य विकलांग व्यक्तियों की समस्या का समाधान करने तथा उन्हें पूर्ण अधिकार दिलाने के लिए था। * यह अधिनियम 7 फरवरी, 1996 से लागू किया गया। * PWD Act 1995 के तहत विकलांग लोगों के लिए समान अवसर तथा राष्ट्र के निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी की बात कही गयी है। * यह एक्ट विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय प्रशिक्षण, आरक्षण, अनुसंधान तथा देश में उनकी भागीदारी की वकालत करता है। * PWD एक्ट 1995 के स्थान पर 2016 में PWD act 2016 लाया गया है।

The full form of PWD is 'Persons with Disabilities'. PWD Act is known as Disability of Persons with Disabilities Act in Hindi. Which is called Person with Disability Act in English. PWD Act 1995: The work of Person with disability Act 1995 was to solve the problem of disabled persons and to provide them full rights. * This Act came into force from February 7, 1996. * Under the PWD Act 1995, there is talk of equal opportunities for disabled people and their full participation in nation building. * This Act advocates for the participation of persons with disabilities in education, employment, vocational training, reservation, research and their participation in the country. * PWD Act 2016 has been introduced in 2016 in place of PWD Act 1995.

Ques 175. ANS (C) Solution:

रचनात्मक मूल्यांकन का मतलब है कि प्रत्येक विद्यार्थी से विविध प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से जानकारी एकत्र करना जो उनके सीखने और प्रगति का आकलन करने में मदद करती है। इसमें निम्न गतिविधियाँ शामिल की जाती हैं- ■ सामान्य कक्षा गतिविधियाँ करते समय विद्यार्थियों की निगरानी करना और उनको दर्ज करना। ■ कक्षा और गृहकार्य के आवंटनों को ग्रेड करना और इनके रिकार्ड रखना। ■ विद्यार्थियों के कार्य (लिखित, कला, परियोजनाएँ आदि) के नमूने पोर्टफोलियो में रखना। ■

लघु अनौपचारिक परीक्षाएँ लेना और उनका रिकार्ड रखना। अतः सत्रीय परीक्षाएँ संकलनात्मक मूल्यांकन की विशेषता है न कि रचनात्मक मूल्यांकन की।

Formative assessment means collecting information from each student through a variety of activities that help assess their learning and progress. It includes the following activities: – ▪ Observing and recording students while carrying out normal classroom activities. ▪ Grading and keeping records of class and homework assignments. ▪ Keeping samples of students' work (written, art, projects, etc.) in a portfolio. ▪ Taking short informal examinations and keeping records of them. Therefore, sessional examinations are the specialty of summative assessment and not of formative assessment.

Ques 176. ANS (C) Solution:

सृजनात्मक उत्तरों के लिए खुले प्रश्नों की आवश्यकता होती है। खुले प्रश्न उस प्रकार के प्रश्नों को कहा जाता है जिनका कोई निश्चित उत्तर नहीं होता है तथा जो बच्चों को कल्पनात्मक चिंतन करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस प्रकार के प्रश्नों में निबन्धात्मक प्रश्न शामिल किये जाते हैं। निबन्धात्मक प्रश्नों से छात्रों के संगठन, प्रस्तुतीकरण, तार्किक चिंतन, निर्णयन, सृजन आदि क्षमताओं का मूल्यांकन होता है।

Open questions require creative answers. Open questions are those types of questions which do not have any definite answer and which inspire children to think imaginatively. Essay questions are included in this type of questions. Essay questions evaluate students' abilities like organization, presentation, logical thinking, decision making, creation etc.

Ques 177. ANS (B) Solution:

शैक्षणिक विश्लेषण के शिक्षा चरण में इच्छित सीखने (अधिगम) के परिणामों की उपलब्धि के लिए जाँच करने के लिए उपकरणों का निर्धारण शामिल है। शैक्षणिक विश्लेषण का उद्देश्य है विभिन्न पहलुओं में शिक्षण की उत्पादकता की जाँच करना। यह सीखने की प्रक्रिया में आने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक बिंदुओं की पहचान करने में मदद करता है। शैक्षणिक विश्लेषण तीन चरणों में पूरी होती है। (1) पूर्व संक्रिया चरण – इस चरण में निम्न गतिविधियाँ शामिल हैं- प्रवेश क्षमता का पता लगाना, अधिगम के परिणामों का वर्णन, सामग्री और अधीनस्थ संप्रत्यय का विश्लेषण, अधिगम के प्रकार की पहचान करना। (2) सहभागी चरण – इस चरण में निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल हैं - उद्दीपन प्रस्तुति के तरीके/दृष्टिकोण तय करना, अपेक्षित शिक्षार्थियों की प्रतिक्रिया पर निर्णय लेना, प्रतिक्रिया देना। (3) मूल्यांकन चरण – इस चरण में इच्छित अधिगम के परिणामों की उपलब्धि के लिए उपकरणों को निर्धारित करना शामिल है।

The instructional phase of educational analysis involves determination of tools to test for achievement of desired learning outcomes. The objective of educational analysis is to examine the productivity of teaching in various aspects. It helps in identifying the positive and negative points in the learning process. Educational analysis is completed in three stages. (1) Pre-operational stage – This stage includes the following activities – ascertaining the learning potential, describing the learning outcomes, analyzing the content and subordinate concepts, identifying the type of learning. (2) Participative stage – This stage includes the following activities – deciding the method/approach of stimulus presentation, deciding on the expected learners' response, giving feedback. (3) Evaluation phase – This phase involves

determining the tools for achievement of the desired learning outcomes.

Ques 178. ANS (A) Solution:

संचयी रिकार्ड कार्ड को व्यक्तित्व के मूल्यांकन के गैर मानकीकृत परीक्षण या व्यक्तिपरक विधि के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है। संचयी अभिलेख कार्ड स्कूल में शिक्षकों द्वारा छात्रों के बारे में डेटा एकत्र करने के उद्देश्य से तैयार की गई एक मूल्यवान तकनीक है। शिक्षार्थियों के बारे में संचयी अभिलेख शिक्षकों, परामर्शदाताओं और अभिभावकों को उपयोगी सूचना प्रदान करते हैं।

Cumulative record cards can be classified as non-standardized tests or subjective methods of personality assessment. Cumulative Record Card is a valuable technique devised by teachers in school for the purpose of collecting data about students. Cumulative records about learners provide useful information to teachers, counselors and parents.

Ques 179. ANS (B) Solution:

हाल के वर्षों में थीस फेस्टिवल को तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण आदिवासी त्योहार के रूप में मान्यता दी गई है।

In recent years this festival has been recognized as an important tribal festival by the Telangana state government.

Ques 180. ANS (A) Solution:

सबसे पहले समुदाय को अरस्तू ने परिभाषित किया। अरस्तू राज्य को सर्वोच्च समुदाय मानता है। अरस्तू के अनुसार व्यक्ति के सभी उद्देश्य राज्य के ध्येय में निहित हैं। राज्य सबसे ऊपर है। राज्य विभिन्न प्रकार के समुदायों के ऊपर समुदाय है क्योंकि इसमें सामाजिक विकास का चरम रूप निहित है, जो व्यक्ति की बौद्धिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अरस्तू के अनुसार राज्य दो प्रकार से सर्वोच्च समुदाय होता है- (1) राज्य सामाजिक विकास की पराकाष्ठा है। (2) मनुष्य राज्य में ही अपनी सर्वोच्च नैतिक पूर्णता का अनुभव करता है।

Aristotle first defined community. Aristotle considers the state as the supreme community. According to Aristotle, all the objectives of an individual lie in the aims of the state. The state is at the top. The state is the community above different types of communities because it contains the highest form of social development, which fulfills the intellectual, moral and spiritual needs of the individual. According to Aristotle, the state is the supreme community in two ways - (1) The state is the pinnacle of social development. (2) Man experiences his highest moral perfection only in the state.

Ques 181. ANS (B) Solution:

गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार- "किसी भी छात्र के विकास के लिए और उसके व्यक्तित्व को पूरी तरह से विकसित करने के लिए साहित्य, संगीत और कला तीनों जरूरी होते हैं।" इनका मानना था कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक की जन्मजात शक्तियों का विकास कर उसके व्यक्तित्व का चतुर्मुखी तथा सर्वांगीण विकास करना होना चाहिए।

According to Gurudev Rabindranath Tagore - "Literature, music and art are all three necessary for the development of any student and for the complete development of his personality." He believed that the main objective of education was to develop the innate powers of the child. There should be all-round and all-round development of his personality by developing his personality.

Ques 182. ANS (B) Solution:

डेविड व्हीलर के अनुसार “गणित के बारे में बहुत सा ज्ञान प्राप्त करने से उपयोगी यह है कि किसी चीज में गणित का उपयोग किस प्रकार से किया जाए।”

According to David Wheeler, “The most useful thing about having a lot of knowledge about mathematics is knowing how to use it in something.”

Ques 183. ANS (B) Solution:

वर्तमान पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक संरचनात्मक सोच पर आधारित है। पाठ्यचर्या निर्माण की आधारभूत सिद्धांत के रूप में रचनात्मक एवं सृजनात्मक शक्तियों का विकास एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसके अनुसार बालक की रुचियों तथा विशिष्टताओं की खोज करके उनके अन्दर रचनात्मक भावनाओं का विकास किया जा सकता है।

The current curriculum, textbook is based on structural thinking. Development of constructive and creative powers is an important objective as the basic principle of curriculum development. According to this, by exploring the interests and specialties of the child, creative feelings can be developed in him.

Ques 184. ANS (D) Solution:

शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण व्यूहरचनाएँ तथा मूल्यांकन सब मिलकर पाठ्यक्रम संप्रत्यय का निर्माण करते हैं। विद्यालयी स्तर पर पाठ्यपुस्तकों का निर्माण पाठ्यक्रम के आधार पर ही होता है।

Teaching-learning materials, teaching strategies and evaluation all together form the curriculum concept. At the school level, textbooks are prepared on the basis of the syllabus.

Ques 185. ANS (A) Solution:

1921–1947 की अवधि के दौरान, शैक्षिक संस्थानों में लड़कियों के दाखिलों में भारी वृद्धि हुई थी, इसका मुख्य कारण राजनीतिक प्रबोधन था। वर्ष 1921–1947 के बीच चले विभिन्न स्वतंत्रता आंदोलनों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी जिसका प्रभाव शैक्षिक संस्थानों में लड़कियों के दाखिले पर भी पड़ा।

During the period 1921–1947, there was a massive increase in the enrollment of girls in educational institutions, largely due to political enlightenment. Women's participation in the various freedom movements that took place between 1921–1947 increased continuously, which also affected the enrollment of girls in educational institutions.

Ques 186. ANS (C) Solution:

भारत में स्कूली शिक्षा को मोटे तौर पर चार चरणों में वर्गीकृत किया जा सकता है- (1) पूर्व प्राथमिक शिक्षा (2) प्राथमिक शिक्षा (3) पूर्व माध्यमिक शिक्षा (4) माध्यमिक शिक्षा

School education in India can be broadly classified into four stages – (1) Pre-primary education (2) Primary education (3) Pre-secondary education (4) Secondary education

Ques 187. ANS (A) Solution:

उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल और अर्थशास्त्र एक साथ पर्यावरण, संसाधन एवं विकास के मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक हो सकते हैं।

At the upper primary level, geography and economics together can be helpful in developing attitudes towards environment, resources and development issues.

Ques 188. ANS (A) Solution:

उपर्युक्त प्रश्न में इतिहास के संदर्भ में कल्पना को बढ़ावा दिया जा रहा है। बच्चे इतिहास के संदर्भ में कल्पना करके बताएंगे कि कर न चुका पाने की स्थिति में वे क्या करेंगे।

In the above question, imagination is being encouraged in the context of history. Children will imagine in the context of history what they will do if they are unable to pay taxes.

Ques 189. ANS (C) Solution:

भारत में वर्तमान शैक्षिक प्रणाली के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा में समानता है। यद्यपि शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर पहुँच को बढ़ाने और भागीदारी की दृष्टि से भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है फिर भी देश में शिक्षा के विकास की सम्पूर्ण स्थिति मिली-जुली रही है। वर्तमान में शिक्षा तक पहुँच और भागीदारी, प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा में समता, व्यवस्थागत कार्यकुशलता, प्रशासन एवं प्रबंधन आदि वर्तमान शिक्षा की चुनौतियाँ हैं।

The biggest challenge facing the current educational system in India is equality in education. Although India has made significant progress in terms of increasing access and participation at every level of education, the overall situation of development of education in the country has been mixed. At present, the challenges of education are access and participation in education, quality of education provided, equity in education, systemic efficiency, administration and management etc.

Ques 190. ANS (A) Solution:

थिएटर कला का ऐसा रूप है जो पाठ्यपुस्तक को जीवित बना देता है। रंगमंच में मौखिक रूप से संवाद कौशल, वाक् कौशल सब विकसित होता है। थिएटर, विषय का सजीव चित्रण प्रस्तुत करता है जिससे शिक्षार्थी में रुचि उत्पन्न होती है तथा वे अधिक उत्सुकतापूर्वक ज्ञान अर्जित करते हैं।

Theater is an art form that makes the textbook come alive. In theatre, verbal communication skills and speech skills all develop. Theater presents a lively portrayal of the subject, which arouses interest in the learners and makes them acquire knowledge more eagerly.

Ques 191. ANS (C) Solution:

विद्यालय अनुशासन का मुख्य लक्ष्य शिक्षण के लिए हितकर वातावरण उपलब्ध कराना है।

The main goal of school discipline is to provide an environment conducive to learning.

Ques 192. ANS (B) Solution:

एक अच्छा मुख्याध्यापक प्राथमिक रूप में एक अच्छा प्रशासक होना चाहिए। मुख्याध्यापक में नेतृत्व शक्ति का होना भी एक आवश्यक गुण है क्योंकि उसे अपने विद्यार्थियों को प्रत्येक क्षेत्र, पाठ्य सहगामी प्रक्रिया, किसी विषय में विचार-विमर्श, अनुशासन बनाये रखने आदि में कुशल और प्रभावशाली नेतृत्व प्रदान करना होता है। साथ ही मुख्याध्यापक का कार्य अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि में सामंजस्य स्थापित करना भी होता है।

A good headmaster must primarily be a good administrator.

Leadership power in the head teacher is also an essential quality because he has to provide efficient and effective leadership to his students in every field, co-curricular process, discussion in any subject, maintaining discipline etc. Besides, the job of the headmaster is also to establish harmony among his teachers, students etc.

Ques 193. ANS (B) Solution:

प्रसार (रेंज), चतुर्थांश विचलन, माध्य विचलन तथा प्रमाण विचलन विक्षेपण का मापन है जबकि माध्य, माधिका तथा बहुलक केन्द्रिय प्रवृत्ति के मापक हैं।

Range, quartile deviation, mean deviation and standard deviation are measures of dispersion while mean, median and mode are measures of central tendency.

Ques 194. ANS (A) Solution:

यदि किसी शिक्षिका ने कक्षा में "शून्य अत्यन्त सार्थक अंक है।" विषय पर वाद-विवाद का आयोजन करके प्रत्येक बच्चे को उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है, तो इसका मतलब है कि शिक्षिका अपनी कक्षा को अधिक अभिव्यक्तशील और विचारशील बना रही है।

If a teacher organizes a debate in the class on the topic "Zero is the most significant number" and encourages every child to express his/her views on the said topic, it means that the teacher is making her class more engaged. Making you expressive and thoughtful.

Ques 195. ANS (B) Solution:

रटने का सिद्धांत, गणित में अर्थपूर्ण, ज्ञान प्राप्ति का सिद्धांत नहीं है क्योंकि शिक्षण के नवीन उपागम में रचनात्मकता, पूर्व अनुभव, स्वयं द्वारा ज्ञान निर्माण, आदि पर बल दिया जाता है न कि रटने पर। रटने की प्रक्रिया द्वारा सार्थक अधिगम नहीं हो पाता है और न बालक के मानसिक शक्तियों का पूर्ण विकास हो पाता है।

The principle of rote learning, meaningful in mathematics, is not a principle of knowledge acquisition because in the new approach of teaching, emphasis is laid on creativity, prior experience, creation of knowledge by oneself, etc. and not on rote learning. Meaningful learning does not take place through the process of rote learning nor is the child's mental powers fully developed.

Ques 196. ANS (A) Solution:

यदि छात्रों में ज्यामितीय आकृतियों का अवबोधन हो जाता है, तो छात्रों में आकृतियों का वर्गीकरण करने का व्यवहारगत परिवर्तन दिखाई देगा। अवबोधन स्तर पर छात्र गणित की अवधारणा, इसके तथ्यों, सिद्धांतों, विधियों, प्रक्रियाओं, प्रक्रमों आदि पर अर्थ ग्रहण करता है। इस स्तर पर विद्यार्थियों में समझ आधारित व्यवहारगत परिवर्तन दिखाई देता है।

If students understand geometric shapes, then behavioral changes in classifying shapes will be seen in students. At the comprehension level, the student understands the concept of mathematics, its facts, principles, methods, procedures, processes etc. At this stage, understanding based behavioral changes are visible in the students.

Ques 197. ANS (D) Solution:

help to की जगह helped to का प्रयोग होगा क्योंकि have/has/had के पश्चात verb की third form का प्रयोग किया जाता है। अतः विकल्प (d) सही है।

Helped to will be used instead of help to because the third form of the verb is used after have/has/had. Hence option (d) is correct.

Ques 198. ANS (B) Solution:

मनोवैज्ञानिक कसौटी एक ऐसी सीरीज है जिसमें कई प्रकार के परीक्षणों के द्वारा किसी व्यक्ति के व्यवहार की जांच की जाती है। इसके अन्तर्गत प्रेरणा, साहित्य उपकरण, चित्र/खाका आदि टेस्ट शामिल है। जबकि स्तर (Level) मनोवैज्ञानिक पहलू के अन्तर्गत नहीं आता है।

Psychological test is a series in which a person's behavior is examined through several types of tests. This includes tests of inspiration, literary devices, pictures/blueprints etc.

Whereas level does not come under the psychological aspect.

Ques 199. ANS (A) Solution:

हम कक्षा में कला का शिक्षण ऐसी विभिन्न गतिविधियों (जैसे चित्रों पर बातचीत करके, चित्रों पर कहानी या कविता की रचना, चित्रों पर लेख आदि) और खेल (जैसे नाटक का मंचन, अंत्याक्षरी) के द्वारा जो उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों से संबंधित हो, दे सकते हैं।

We teach art in the classroom through various activities (like talking on pictures, composing a story or poem on pictures, writing on pictures etc.) and games (like staging a drama, Antyakshari) which are related to their real life experiences. , can give.

Ques 200. ANS (C) Solution:

सभी कलाएं अच्छी कलाएं हैं। मध्यस्थ कला जैसा कुछ भी नहीं है। यह कथन सत्य है। मनुष्य अपनी भावनाओं को कला के माध्यम से ही व्यक्त करता है कला को मुख्य रूप से दो भागों में बाँटा गया है। 1. दृश्य कला जिसके अन्तर्गत चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला आदि आते हैं। 2. प्रदर्शनी कला जिसके अन्तर्गत काव्य कला व संगीत कला आदि आते हैं। All art is good art. There is no such thing as intermediary art. This statement is true. Man expresses his emotions only through art. Art is mainly divided into two parts. 1. Visual arts which includes painting, sculpture, architecture etc. 2. Exhibition art which includes poetic art, musical art etc.